CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 21 ता. 22 अप्रेल 2022, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

आतंकियों और अपराधियों पर नकेल के लिए ज्यादा चेक पोस्ट की जरूरत, समय पर नहीं पूरा हो रहा प्रोजेक्ट

नई दिल्ली। भारत-बांग्लादेश और भारत-नेपाल सीमा पर आतंकियों व अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई, जाली नोटों की तस्करी रोकने के लिए और ज्यादा चेक पोस्ट की जरूरत बताई गई है। इस बीच पहले से स्वीकृत कई एकीकृत चेक पोस्ट यानी आईसीपी का निर्माण कार्य भूमि अधिग्रहण व अन्य मंजूरियों के इंतजार में लंबित है। इससे अपराधियों पर लगाम लगाने में सुरक्षाबलों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

गृह मंत्रालय की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत-नेपाल सीमा का इस्तेमाल आतंकी व अपराधी छिपने के लिए करते हैं, इसलिए ज्यादा संख्या में आईसीपी बनाई जानी चाहिए।

बजट बढ़ा फिर कम

आईसीपी के लिए वर्ष 2020-21 में 200 करोड़ रुपये, वर्ष 2021-22 में 216 करोड़ रुपये, 2021-22 के संशोधित अनुमान में 630 करोड़ रुपये और जमीनी स्थिति का आकलन करने के बाद फिर से वर्ष 2022-23 के लिए 300 करोड़ आवंटित किए गए। वर्ष 2018 में जिन एकीकृत चेक पोस्ट को मंजूरी मिली थी उनमें से भी कुछ में भूमि अधिग्रहण सहित अन्य वजहों से काम पूरा नहीं हो पाया है।

विभिन्न चरणों में प्रोजेक्ट

सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने तीन एकीकृत चेक पोस्ट यूपी के रूपैडीहा, असम के सुतारकंडी और यूपी के सुनौली में आईसीपी की मंजूरी दी थी। इसकी अनुमानित लागत 847.72 करोड़ रुपये है। रूपैडीहा, (भारत-नेपाल सीमा) पर आईसीपी का लगभग 58 प्रतिशत काम किया गया है। सुतारकांडी (भारत-बांग्लादेश सीमा) पर आईसीपी का एक हिस्सा चालू हो गया है। सुनौली (भारत-नेपाल सीमा) पर आईसीपी के लिए 46.782 हेक्टेयर के अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है।

बोरिस जॉनसन दो दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे, गुजरात में करेंगे बुलडोजर प्लांट का किया दौरा

22 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए नई दिल्ली की यात्रा करेंगे। यहां दोनों नेताओं के बीच यूके और भारत की रणनीतिक रक्षा, राजनयिक और आर्थिक साझेदारी पर गहन बातचीत करेंगे। इसका उद्देश्य इंडो-पैसिफिक में घनिष्ठ साझेदारी को बढ़ावा देना और सुरक्षा सहयोग को आगे बढ़ाना है।

नई दिल्ली। ब्रिट्रेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन अपनी दो दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंच चुके हैं। गुजरात में उनका स्वागत किया गया। यहां वह एक बुलडोजर बनाने वाली कंपनी का भी दौरा किया। विपक्ष इसकी आलोचना कर रहा है। हालांकि, आलोचना को दरकिनार करते हुए अधिकारियों कहा कि उनका इरादा निवेश बढ़ाने का है। आपको बता दें कि किसी भी ब्रिटिश पीएम का यह पहला गुजरात दौरा है।

बोरिस जॉनसन ने अहमदाबाद से अपनी यात्रा शुरू की है। यहां उनका प्रमुख व्यापारिक समूह के नेताओं के साथ मिलने का भी कार्यक्रम है। भारत के फलते-फूलते वाणिज्यिक, व्यापार और लोगों के संबंधों पर चर्चा करने का कार्यक्रम है। इसके बाद शुक्रवार की सुबह बोरिस जॉनसन राष्ट्रपति भवन में एक औपचारिक स्वागत समारोह में शामिल होंगे और बाद में महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे।

22 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए नई दिल्ली की यात्रा करेंगे। यहां दोनों नेताओं के बीच यूके और भारत की रणनीतिक रक्षा, राजनयिक और आर्थिक साझेदारी पर गहन बातचीत करेंगे। इसका उद्देश्य इंडो-पैसिफिक में घनिष्ठ साझेदारी को बढ़ावा देना और सुरक्षा सहयोग को आगे बढ़ाना है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री विदेश मंत्री (ईएएम) एस जयशंकर के साथ भी बातचीत करेंगे। उसी दोपहर करीब एक बजे दोनों पक्ष हैदराबाद हाउस में प्रेस बयान जारी करेंगे।

● बोरिस जॉनसन ने अहमदाबाद से अपनी यात्रा शुरु की है। यहां उनका प्रमुख व्यापारिक समूह के नेताओं के साथ मिलने का भी कार्यक्रम है। भारत के फलते-फूलते वाणिज्यिक, व्यापार और लोगों के संबंधों पर चर्चा करने का कार्यक्रम है।

निवेशकों के साथ की बैठक

जॉनसन 21 अप्रैल को सीधे अहमदाबाद में निवेशकों के साथ बैठक की। दरअसल, ब्रिटेन में जितने भारतीय हैं, उनमें से लगभग आधे गुजरात के हैं। पहली बार ब्रिटेन के कोई प्रधानमंत्री गुजरात की यात्रा पर आ रहे हैं।

शांति के लिए भूमिका निभाने को तैयार

यह पूछने पर कि क्या जॉनसन और मोदी की बातचीत के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध का समाधान निकालने पर कोई चर्चा हो सकती है, सूत्रों ने कहा कि दो प्रधानमंत्रियों के बीच चर्चा किस प्रकार होगी, यह पहले बता पाना संभव नहीं है। चर्चा के आयाम विविध हो सकते हैं। जॉनसन ने हाल में यूक्रेन का दौरान किया था। प्रधानमंत्री मोदी साफ कह चुके हैं कि रूस-यूक्रेन के बीच शांति स्थापना के लिए भारत कोइ भी भूमिका निभाने को तैयार है।

देश 15-18 आयुवर्ग के 55 फीसदी युवाओं का टीकाकरण हुआ पूर्ण

नई दिल्ली। देश में कोविड-19 महामारी की चौथी लहर की आशंकाओं के बीच कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान लगातार नए आयाम स्थापित कर रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने बताया कि 15 से 18 आयु वर्ग के 55 फीसदी ज्यादा युवाओं का संक्रमण के खिलाफ टीकाकरण पूर्ण हो चुका है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ो के मुताबिक करीब 5,79,70,064 युवाओं को पहली कोविड-19 टीके की खुराक दी गई है। वहीं, जबकि 4,07,45,861 को टीके की दोनों खुराकें लगा दी गई हैं। मंडाविया ने एक ट्वीट में कहा कि यंग इंडिया द्वारा एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। देश में 15-18 आयु वर्ग के 55 फीसदी से ज्यादा युवाओं का पूरी तरह से कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण संपन्न हो गया है। उन्होंने लोगों से टीका लगवाने के बाद भी कोविड के अनुरूप नियमों का पालन करने की अपील की है।

जनवरी में शुरू हुआ 15-18 आयुवर्ग का टीकाकरण

गौरतलब है कि देश में इसी साल तीन जनवरी को 15 से 18 आयुवर्ग के युवाओं का टीकाकरण शुरू हुआ था। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कुल 17,23,733 कोरोना के टीके लगाए गए। भारत में कोरोना महामारी के खिलाफ टीकाकरण अभियान 186.90 करोड़ के पार पहुंच गया है।

कोरोना के खिलाफ बच्चों का टीकाकरण जारी

भारत में बच्चों के टीकाकरण की शुरुआत 16 मार्च, 2022 से की गई। इसमें 12-14 आयु वर्ग के बच्चों का टीकाकरण किया जा रहा है। अब तक 2.50 करोड़ (2,50,83,940) से ज्यादा बच्चों कोकोविड-19 वैक्सीन की पहली खुराक दी जा चुकी है। इसी तरह, 18-59 वर्ष के आयु वर्ग के लिए कोविड-19 की प्रीकाशन डोज लगाने की शुरूआत 10 अप्रैल, 2022 से हुई थी। देश में अब तक कुल 2,11,000 प्रीकाशन डोज लगाई जा चुकी है। देश में कोरोना के खिलाफ टीकाकरण की राष्ट्रव्यापी शुरुआत 16 जनवरी, 2021 को हुई थी।

एकनाथ खडसे और मुझे बताया गया असामाजिक तत्व, 60-67 दिनों तक हुई फोन टैपिंग-संजय राउत

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने आरोप लगाया कि उनका और छह बार के विधायक एकनाथ खडसे का फोन 2019 में क्रमशः 60 और 67 दिनों तक टैप किया गया, इस बहाने कि वे असामाजिक तत्व हैं। अवैध फोन टैपिंग की कवायद तब की गई जब भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी रश्मि शुक्ला 31 मार्च, 2016 और 3 अगस्त, 2018 के बीच पुणे पुलिस की आयुक्त थीं। बाद में उन्होंने 2018 से 2020 तक राज्य के खुफिया विभाग (एसआईडी) आयुक्त का पद संभाला था। शुक्ला फिलहाल हैदराबाद में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (दक्षिण क्षेत्र) के अतिरिक्त महानिदेशक के रूप में तैनात हैं।

इस साल फरवरी में शुक्ला के खिलाफ दर्ज एक प्राथमिकी के अनुसार, यह भी सामने आया है कि पूर्व सांसद नाना पटोले और संजय काकड़े सहित कम से कम चार

अन्य राजनेताओं के निजी फोन को निगरानी में रखा गया था। पुणे पुलिस की ओर से 2017 और 2018 के बीच... इस ढोंग के तहत कि वे ड्रग डीलर और गैंग लॉर्ड थे और झूठे नामों का इस्तेमाल कर रहे थे।

सरकार के गठन को लेकर हमारी जासूसी की गई

राउत ने कहा, चाहे मैं हूं, एकनाथ खडसे या नाना पटोले हों... हमें गलत तरीके से असामाजिक तत्वों के रूप में लेबल किया गया। रश्मि शुक्ला ने हमारे फोन टैप करने की इजाजत मांगी; फोन नंबर हमारे थे लेकिन नंबरों के सामने नाम कुछ ड्रग पेडलर्स, गैंग-रनर, असामाजिक तत्वों आदि के थे। इससे हमारी निजता भंग हुई, क्योंकि वे महाराष्ट्र के गठन के बारे में डेवलेपमेंट को जानने के लिए हमारी जासूसी करना चाहते थे।

फोन टैपिंग की घटना को लेकर केंद्र पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा, जिस पुलिस अधिकारी से हम तटस्थ होकर काम करने की उम्मीद करते हैं, वह किसी नेता या पार्टी के प्रति वफादारी दिखाने का काम कर रहा था। अधिकारी को अब केंद्र की ओर से सुरक्षा दी जा रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

ऐसे मामलों में अंतिम मंजूरी मुख्यमंत्री से मिलती है...

वहीं, खडसे ने कहा, मेरा फोन 67 दिनों तक एक अलग नाम से और इस बहाने से टैप किया गया कि मैं असामाजिक गतिविधियों में शामिल हूं।

महाराष्ट्र पुलिस में बड़ा फेरबदल

IPS समेत करीब 40 सीनियर अधिकारियों को मिला प्रमोशन या हुआ ट्रांसफर

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने बड़े फेरबदल के तहत नासिक के पुलिस आयुक्त दीपक पांडे सहित करीब 40 सीनियर पुलिस अधिकारियों को प्रमोट या ट्रांसफर कर दिया। पांडे ने कुछ दिन पहले आरोप लगाया था कि राजस्व विभाग के कुछ अधिकारियों की भू-माफियाओं से साठगांठ है। इस मुद्दे को सार्वजनिक करने के कारण उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा। कई आधिकारिक आदेशों में तबादलों और पदोन्नति की घोषणा की गई। जयंत नाइकनवारे, पुलिस उप महानिरीक्षक (वीआईपी सुरक्षा), पांडे की जगह अब नासिक पुलिस आयुक्त होंगे। मीडिया में आरोप लगाने पर राज्य के राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट ने पांडे की आलोचना की थी। पांडे को विशेष महानिरीक्षक नियुक्त किया गया है।

मुंबई क्राइम ब्रांच के ज्वाइंट कमीश्नर ऑफ पुलिस का भी तबादला

मुंबई क्राइम ब्रांच के ज्वाइंट कमीश्नर ऑफ पुलिस मिलिंद भारम्बे का तबादला राज्य के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) (कानून व्यवस्था) के तौर पर किया गया है। विशेष आईजी सुहास वारके का तबादला पुलिस अपराध शाखा मुंबई के संयुक्त आयुक्त पद पर हुआ है, जो पहले महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था का पद संभाल रहे थे।

किस पुलिस अधिकारी का कहां हुआ ट्रांसफर-जालना के पुलिस अधीक्षक विनायक देशमुख को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के रूप में पदोन्नत किया गया और पश्चिम क्षेत्र मुंबई में तैनात किया गया है। पश्चिमी क्षेत्र के अतिरिक्त आयुक्त संदीप कार्णिक को संयुक्त पुलिस आयुक्त, पुणे भेजा गया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त वीरेंद्र मिश्रा स्थानीय हथियार विभाग के प्रभारी थे, उन्हें अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, उत्तर क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया है।

भीषण गर्मी के बीच बदलेगा मौसम का मिजाज, इन राज्यों में बारिश के आसार

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों ने भीषण गर्मी और लू के थपेड़े झेल रहे दिल्ली-एनसीआर वालों को आज गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। आसमान में सुबह से ही बादल छाए रहने के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में आज अधिकतम तापमान 38 डिग्री के करीब रहने की संभावना है और हल्की बारिश भी पड़ने का अनुमान है। इसके अलावा पूर्वोत्तर राज्यों में अगले 24 घंटे के दौरान मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। बता दें कि उत्तर भारत में इन दिनों जबरदस्त गर्मी पड़ रही है। यूपी, बिहार, दिल्ली, हरियाणा आदि जैसे राज्यों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। हालांकि, आज कई राज्यों में मौसम बदलने वाला है। कुछ राज्यों में बारिश के आसार जताए गए हैं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज बारिश हो सकती है, जबकि असम और मेघालय में अगले पांच दिनों तक बारिश होगी। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में आज का न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रह सकता है, जबकि अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। गुजरात के अहमदाबाद में आज का न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रहने वाला है। मध्य प्रदेश की बात करें तो भोपाल में आज का न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और अधिकम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रहेगा। मौसम विभाग ने आज यहां बारिश की संभावना जताई है। वहीं स्काईमेट वेदर के मुताबिक पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

उत्तराखंड में तेज हवा के साथ बारिश की संभावना-पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता व दक्षिण से आ रही नम हवाओं के दबाव के चलते आज (बृहस्पतिवार) गढ़वाल और कुमाऊं मंडल के पर्वतीय इलाकों में तेज गर्जना के साथ ही हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। पर्वतीय इलाकों में बिजली गिरने के साथ ही 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं के चलने की भी संभावना जताई है। कहीं-कहीं हवाओं की रफ्तार 80 किमी प्रति घंटा हो सकती है। ऐसे में अलर्ट रहने की भी जरूरत है।

हिमाचल प्रदेश में बारिश और अंधड़ की चेतावनी-हिमाचल प्रदेश में बुधवार को बारिश-बर्फबारी को लेकर जारी येलो अलर्ट बेअसर साबित हुआ। प्रदेश के सभी क्षेत्रों में बुधवार को मौसम साफ रहा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने गुरुवार और शुक्रवार को भी कई जिलों में बारिश और अंधड़ की चेतावनी जारी की है। 23 और 24 अप्रैल को मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है। धूप खिलने से तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना जताई गई है। बुधवार को शिमला सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में धूप खिली।

NDA के खिलाफ कौन होगा राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार ?

विपक्ष ने भी शुरू कर दिया मंथन

नई दिल्ली। जुलाई में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्षी दलों ने भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को चुनौती देने के लिए एक आम उम्मीदवार को मैदान में उतारने पर चर्चा शुरू कर दी है। सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं के खिलाफ विपक्ष की आम सहमति से इसकी शुरुआत हो चुकी है। पार्टियों के मई की शुरुआत में राष्ट्रपति चुनाव और केंद्र द्वारा केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग पर एक बैठक आयोजित करने की उम्मीद है।

तेलंगाना राष्ट्र समिति के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने विपक्ष के उम्मीदवार के लिए समर्थन जुटाने के लिए बीजू जनता दल (बीजेडी) को साथ लाने के लिए पार्टी नेताओं को प्रतिनियुक्त किया है। आपको बता दें कि बीजेडी मोदी सरकार को मुद्दों पर आधारित समर्थन देती रही है। बीजेडी ने 2019 में जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक और संसद में तीन तलाक सहित महत्वपूर्ण कानूनों के पक्ष में मतदान किया था। हालांकि, विपक्ष को लगता है कि वह बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक को मना सकता है। इकोनॉमिक्स टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता ने बताया,

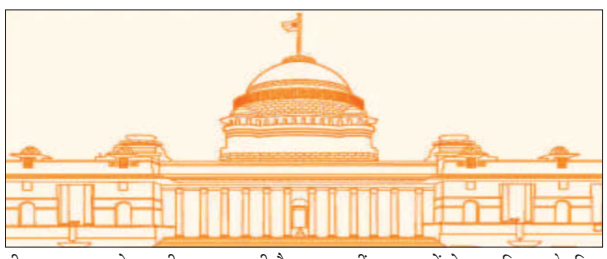

टीआरएस प्रमुख ने बातचीत शुरू कर दी है। यह अभी शुरुआत है और हमें एक-दूसरे से बात करते रहना होगा।

वहीं, वाम दलों ने राष्ट्रपति पद के लिए एक साझा उम्मीदवार पर भी बातचीत शुरू कर दी है। सीपीआई नेता डी राजा ने राष्ट्रपति चुनाव पर चर्चा के लिए मंगलवार को राजद के तेजस्वी यादव से मुलाकात की। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, राजा ने कहा, वाम दल हमेशा एनडीए के उम्मीदवार के खिलाफ विपक्षी उम्मीदवार को खड़ा करने के पक्ष में रहे हैं। इसबार अलग नहीं होगा। हमने बातचीत शुरू कर दी है और हमारी कोशिश आम सहमति बनाने की होगी।

2017 के राष्ट्रपति चुनावों में, विपक्षी दल एनडीए के उम्मीदवार राम नाथ कोविंद के खिलाफ पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और कांग्रेस की दिग्गज नेता मीरा कुमार का समर्थन करने के लिए एक साथ आए थे। हालांकि, कोविंद कुल 65.65त्न वोटों से चुनाव जीते। लगातार मिल रही चुनावी हारों के कारण कांग्रेस का कद तेजी से कम होने के साथ विपक्षी खेमा राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार पर आम सहमति बनाने के लिए क्षेत्रीय दलों पर भरोसा कर रहा है। 2022 के राष्ट्रपति चुनाव विपक्षी एकता के लिए महत्वपूर्ण हैं। विपक्षी दल बीजेपी को कड़ी टक्कर देने का मौका तलाश रहे हैं। 2017 के राष्ट्रपति चुनावों से अब तक भाजपा ने शिरोमणि अकाली दल, शिवसेना और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) सहित सहयोगियों को खो दिया है। यह एक संख्या का खेल होगा जो विपक्षी एकता की परीक्षा लेगा।

सार समाचार

आजादी का अमृत महोत्सव: बंडारू दत्तात्रेय ने दिल्ली में आयोजित विश्व शांति महायज्ञ का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वाधान में वैश्विक शांति और सद्भाव हेतु नमो सद्भावना समिति द्वारा दिल्ली के 'आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर', छतरपुर, में आयोजित विश्व शांति महायज्ञ के पहले दिन हरियाणा के राज्यपाल मा. बंडारू दत्तात्रेय ने यज्ञ वेदी की परिक्रमा और पूजन कर महायज्ञ की शुरूआत की एवं इस यज्ञ को वर्तमान समय की जरुरत बताते हुए विश्व शांति की बात कही। महायज्ञ के पहले दिन भगवान गणपति की पूजा के साथ यज्ञ की शुरूआत हो गयी है जो 24 अप्रैल तक चलेगा। राष्ट्र एवं विश्व कल्याण के लिए होने वाले इस महायज्ञ में लगभग 500 से भी अधिक वैदिक पुरोहित, अगम पंडित एवं विभिन्न मठाधीशपति संपूर्ण भारत से आये हैं एवं इस महायज्ञ में मंत्रोच्चार के साथ आहुति दे रहे हैं। हजारों की संख्या में लोग इस महायज्ञ में भाग ले रहे हैं एवं विश्व के कल्याण हेतु प्रार्थना कर रहे हैं। आने वाले तीन दिनों में लोकसभा के स्पीकर ओम बिड़ला, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र सिंह यादव, केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी एवं आईआईएमसी के महानिदेशक संजय द्विवेदी शामिल होंगें। इस महायज्ञ के आयोजन हेतु गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सांवत, आन्ध्र प्रदेश के राज्यपाल मा. बिश्वभुषण हरिचंद्रन, मध्य प्रदेश के राज्यपाल मा. मंगू भाई पटेल जी ने अपने शुभकामना सन्देश दिए हैं। नमो सद्भावना समिति द्वारा आयोजित होने वाले विश्वशांति महायज्ञ-2022 के सलाहकार श्रीनिवास गजल ने इस बारे में बताया कि, 'इस महायज्ञ में भगवान गणपति, भगवान धनवंतरी, भगवान सूर्यनारायण, भगवान रुद्र तथा शांति माता का आह्वाहन करते हुए सम्पूर्ण जगत में शांति, स्थिरता एवं कल्याण हेतु प्रार्थना हो रही है। सनातन धर्म को लोग जाने एवं विश्व का कल्याण हो यही इस महायज्ञ का उद्देश्य है।' नमो सद्भावना समिति के संचालक श्री प्रवेश पाण्डेय ने बताया की, 'दक्षिण भारत और उत्तर भारत के संत, महात्मा शामिल होकर भारतवर्ष एवं विश्व शांति महायज्ञ के माध्यम से जगत के कल्याण हेतु प्रार्थना कर रहे हैं। आप सभी इस यज्ञ में सहभागी अवश्य बनें।' समिति के मुख्य कार्यकारी मुरली कृष्णा और सदस्य श्रीमती कोनेरू रमादेवि श्रीधर, प्रवेश पांडेय, विभाकर मिश्र, संदीप कालिया,राजेश सिंह एवं अन्य कार्यकर्त्तागण यज्ञ की व्यवस्था में जुटे हुए हैं।

बुलडोजर की कार्रवाई पर बोलीं ममता- हम लोगों को बांटना नहीं एक करना जानते हैं

कोलकाता। देश में बुलडोजर इन दिनों सुर्खियों में है। खरगोन और दिल्ली में हुई हिंसा के बाद बुलडोजर के कार्रवाई भी देखने को मिली है। इन सबके बीच बुलडोजर अब पश्चिम बंगाल में भी चर्चा में आ गया है। बुलडोजर को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा बयान दिया है। दरअसल, ममता बनर्जी ने बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट का उद्घाटन किया। इसी दौरान उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम किसी पर बुलडोजर नहीं चलाना चाहते। अपने बयान में ममता बनर्जी ने कहा कि हम बुलडोजर नहीं करना चाहते। हम लोगों को बांटना नहीं चाहते, हम लोगों को एक करना चाहते हैं। एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है, सांस्कृतिक रूप से आप एकता में रहेंगे तो बहुत मजबूत होंगे। लेकिन, अगर आप बंटे हुए हैं, तो यह गिर जाएगा। ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि हमें पूरे विश्व से अपना रिश्ता मजबूत करने की जरूरत है तभी व्यापार आगे बढ़ सकेगा। उन्होंने कहा कि लोगों को डरना नहीं, बल्कि अपनी जिम्मेदारी को निभाना चाहिए। हम लोगों को नहीं बांट सकते क्योंकि एकता ही हमारी ताकत है।

व्यापार सम्मेलन में बंगाल को 3.42 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले : ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस साल की व्यापार शिखर सम्मेलन में पश्चिम बंगाल को 3.42 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। बनर्जी ने यहां आयोजित बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन-2022 (बीजीबीएस) के समापन सत्र में कहा कि इस दौरान निवेश के लिए कुल 137 समझौता ज्ञापन (एमओयू) और आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस निवेश के जरिये राज्य में 40 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। इन निवेश परियोजनाओं के जल्द क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक कार्यबल का गठन किया जाएगा। इसके अलावा शिखर सम्मेलन में कृषि और उससे संबंधित सेवाओं, सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई), निर्यात, सेवा क्षेत्र और पर्यटन के लिए क्षेत्रीय समितियां भी स्थापित की गई है।

24 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर जाएंगे पीएम मोदी, अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहला अधिकारिक दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के दौरे पर जाएंगे। 24 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में पंचायती राज दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह पहला दौरा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस कार्यक्रम में जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह भी शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस कार्यक्रम में देश-विदेश के कई उद्योगपति भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य में अगले 4 वर्षों में बिजली उत्पादन दोगुना करने के उद्देश्य से क्वार हाइड्रो प्रोजेक्ट का शिलान्यास भी करेंगे। अनुच्छेद 370 हटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो बार दिवाली के समय जम्मू कश्मीर के दौरे पर गए हैं। लेकिन इस बार भी आधिकारिक दौरे पर जा रहे हैं। सुरक्षा के लिहाज से फिलहाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को देखते हुए कड़े बंदोबस्त कर दिए गए हैं। खबर के मुताबिक प्रधानमंत्री का पूरा कार्यक्रम लगभग 3 घंटे का होगा। सबसे पहले प्रधानमंत्री ग्राम सभा की बैठक में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में जम्मू कश्मीर के हजारों पंचायत के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे। जिन पंचायत के प्रतिनिधियों ने अच्छा काम किया है, प्रधानमंत्री उन्हें सम्मानित भी करेंगे।

कर्नाटक में भाजपा पर बरसे केजरीवाल, कहा- अगर आपको दंगाई चाहिए तो उनको वोट दे देना

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल आज कर्नाटक दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। केजरीवाल ने कहा कि पूरे देश में दंगे हो रहे हैं और सब जानते हैं कौन करा रहा है ये देंगे। इस देश के लोग दंगे नहीं, शांति चाहते हैं। अगर आपको दंगाई चाहिए तो उनको वोट दे देना और अगर आपको स्कूल-अस्पताल चाहिए तो मुझे वोट दे देना। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पीएम ने सीबीआई से मेरे आवास पर छापा मरवाया, अधिकारी मेरे बेडरूम में घुस गए लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। आखिरकार पीएम ने मुझे इमानदार सीएम का सर्टिफिकेट दिया। हमारी ईमानदार सरकार है, हमने दिल्ली में बनाई, पंजाब में बनाई, अब हम कर्नाटक में सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि इस साल 4 लाख छात्र निजी स्कूलों से सरकारी स्कूलों में आए। दिल्ली में 2 करोड़ लोगों का इलाज मुफ्त है। पहले 8 घंटे बिजली कटती थी, अब जीरो बिल पर लोगों को 24 घंटे बिजली मिलती है।

राजनाथ बोले- भारत और अमेरिका के रणनीतिक हितों का जुड़ाव बढ़ा है

नई दिल्ली (एजेंसी)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक हितों में साझेदारी बढ़ रही है और दोनों पक्ष एक लचीली और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था चाहते हैं जो सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करे। सिंह ने कहा कि भारत-अमेरिका 2+2 संवाद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच सार्थक बातचीत ने दोनों पक्षों के बीच अधिक महत्वाकांक्षी और रणनीतिक जुड़ाव के लिए आधार तैयार किया है। 'इंडिया अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स' में अपने संबोधन में, उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका दोनों एक स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत और हिंद महासागर क्षेत्र की समान दृष्टि साझा करते हैं। उन्होंने कहा, 'रणनीतिक हितों पर हमारा जुड़ाव बढ़ रहा है क्योंकि दोनों देशलचीली, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था चाहते हैं जो संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करे, लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखे और सभी के लिए शांति और समृद्धि को बढ़ावा दे।'

रक्षा मंत्री ने भारत-अमेरिकी आर्थिक जुड़ाव को 21वीं सदी केपरिभाषित व्यावसायिक संबंधों में से एक बताते हुए कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में द्विपक्षीय व्यापार में उछाल आया है, जो माल में 113 अरब डॉलरको पार कर गया है। उन्होंने कहा, 'इस बढ़ते व्यापार के संदर्भ में, भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच में द्विपक्षीय व्यापार का विस्तार करने, बाजार पहुंच बाधाओं को दूर करने और व्यापार की सुगमता में सुधार के लिए चर्चा तेजी से महत्वपूर्ण हो गई है।' सिंह ने कहा कि अमेरिका-भारत संबंधों का रक्षा स्तंभ दिनों दिन मजबूत हो रहा। उन्होंने कहा कि यह मूलभूत द्विपक्षीय समझौतों, सैन्य जुड़ाव, रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में सहयोग देने पर आधारित है और इस में अब सह-विकास और सह-उत्पादन पर नए सिरे से दिया जा रहा बल भी शामिल हुआ है।

सिंह ने कहा, 'देर से ही सही, कुछ अमेरिकी कंपनियों ने भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी में अपनी स्थानीय उपस्थिति का विस्तार किया है और वे भारत में, भारत और

दुनिया के लिए उत्पादन कर रही हैं। हालांकि, हमारा मानना है कि यह सिर्फ एक शुरूआत है।' भारत-अमेरिका 2+2 संवाद 11 अप्रैल को वाशिंगटन में हुआ था। रक्षा मंत्री सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ बातचीत की थी। बातचीत से पहले, उस दिन प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति बाइडन ने डिजिटल माध्यम से बैठक की थी, जिसके दौरान यूक्रेन संकट का मुद्दा प्रमुख रूप से सामने आया था।

चीन को काबू करने में अहम भूमिका निभाने वाले इस द्वीप पर केंद्रित होगी मोदी-जॉनसन की वार्ता, भारत से मदद की आस में ब्रिटेन

नई दिल्ली (एजेंसी)

चीन के विदेश मंत्री का अचानक भारत दौरा, फिर रूस के विदेश मंत्री का भारत की विदेश नीति और राजनीतिक स्टैंड का गुणगान। अमेरिका और भारत के बीच टू प्लस टू वार्ता। इतना ही नहीं 21 अप्रैल यानी आज से ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन भारत दौरे पर हैं। यह विदेशी नेताओं के बीते 1 महीने की भारत यात्राओं की लिस्ट नहीं बल्कि रूस यूक्रेन युद्ध और दुनिया में अचानक बदलते समीकरण के बीच भारत की अहमियत की बानगी भर है।

बेहद अहम द्वीप पर केंद्रित है जॉनसन का दौरा

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का भारत दौरा एक द्वीप पर केंद्रित रहने वाला है,जो चीन को काबू करने में एक बड़ी भूमिका निभाता है। बोरिस जॉनसन यात्रा के दौरान मॉरीशस के चागोस में डिएगो गार्सिया द्वीप को लेकर चर्चा करेंगे जिसे मॉरीशस की आजादी के बाद ब्रिटेन ने अपने कब्जे में रखा और फिर 1966 में मोटा पैसा लेकर अमेरिका को लीज पर दे दिया। अभी कुछ ही दिन पूर्व मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रवीण जगन्नाथ 17 अप्रैल को 8 दिवसीय यात्रा पर भारत आए थे।

दोनों देशों ने तैनात किया वायुसेना-नौसेना का बेड़ा

इस द्वीप को लेकर अमेरिका ब्रिटेन भारत और चीन इतने उतावले क्यों है इसका पता इस बात से चलता है कि साल 1965 में मॉरीशस को आजाद करने के बाद ब्रिटेन ने हिंद महासागर में मौजूद दीप समूह को मॉरीशस से अलग कर दिया। हालांकि आज भी मॉरीशस इस द्वीप पर अपना अधिकार जताता है। 1966 में अमेरिका ने ब्रिटेन से समझौता के तहत 50 सालों के लिए चागोस के डिएगो गार्सिया द्वीप को लीज पर ले लिया। दोनों देशों ने यहां वायुसेना और नौसेना बेड़ा तैनात किया।

चीन की दुखती रग

हिंद महासागर के मध्य में स्थित जिओ के गाछिया द्वीप समूह का रणनीतिक महत्व इसलिए भी है क्योंकि इस दीप की भौगोलिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। यहां स्थित देश का इस्तेमाल अमेरिका ने इराक की रानी युद्ध के दौरान किया था। चीन अमेरिकी तैनाती को लेकर मिलाया रहता है एशिया में चीन को काबू करने में अहम भूमिका है।

भारत की भूमिका

अब ऐसे में सबसे बड़ा सवाल की इन सब में भारत की क्या भूमिका है। बता दें कि मॉरीशस का सांस्कृतिक रूप से भारत से गहरा जुड़ाव रहा है। मॉरीशस की अधिकांश आबादी भारतीय मूल की है। इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी भारत मॉरीशस की सहायता करता आया है। ऐसे में ब्रिटेन की चाहत ये है कि भारत अपने प्रभाव से हिन्द महासागर में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को चीन से टक्कर लेने हेतु महत्वपूर्ण मानते हुए डिएगो गार्सिया के लिए मॉरीशस संग बातचीत का मार्ग खोले।

एनआईए दिवस पर बोले अमित शाह, मानवाधिकारों की रक्षा के लिए आतंकवाद को जड़ से खत्म करना जरूरी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज 13वें राष्ट्रीय जांच एजेंसी दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एनआईए की जांच इस प्रकार के अपराधों में होती है जहां साक्ष्य मिलना मुश्किल होता है लेकिन इसके बावजूद आपने उपलब्धि प्राप्त की है जो प्रेरणा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत सरकार आतंकवाद के विरुद्ध में शून्य सहिष्णुता की नीति बनाकर आगे बढ़ रही है। एनआईए को भारत सरकार की ओर से कोई भी सहायता, किसी भी स्वरूप में अपेक्षित हो तो वो देने के लिए भारत सरकार प्रतिबद्ध है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब भी आतंकवाद विरोधी अभियान होते हैं, कुछ मानवाधिकार समूह मानवाधिकारों का मुद्दा उठाते हैं लेकिन मैं हमेशा मानता हूं कि आतंकवाद मानव अधिकारों के उल्लंघन का सबसे बड़ा कारण है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए आतंकवाद को जड़ से खत्म करना जरूरी। उन्होंने कहा कि अपने गठन के बाद से, एनआईए ने 400 मामले दर्ज किए, जबकि 93.25 प्रतिशत की सजा दर के साथ 349 मामलों में चार्जशीट दायर की गई, हमने एनआईए और यूएपीए अधिनियमों को मजबूत किया है और एजेंसी को विदेशों में आतंक के मामलों की जांच करने का अधिकार दिया है जहां भारतीयों को नुकसान पहुंचाया गया था।

जिग्नेश मेवानी की गिरफ्तारी पर भड़के हार्दिक पटेल, कहा- अब तो देश में विधायक भी सुरक्षित नहीं

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

गुजरात के वडगाम विधानसभा सीट से विधायक जिग्नेश मेवानी को असम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिग्नेश मेवानी को असम पुलिस ने पालनपुर से गिरफ्तार किया जिसके बाद उन्हें सुबह सवेरे अहमदाबाद से असम ले जाया गया। जिग्नेश मेवानी की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल ने जबरदस्त तरीके से अपना गुस्सा जाहिर किया है। हार्दिक पटेल ने ट्वीट कर कहा कि कल आधी रात को विधायक जिग्नेश मेवानी को असम पुलिस ने गिरफ़्तार किया हैं। सिर्फ. एक ट्वीट के कारण गिरफ़्तारी और वो भी आधी रात को कुछ तो गड़बड़ हैं। मेरी सरकार से चेतावनी है की जिग्नेश मेवानी के साथ कुछ भी हुआ तो ज़िम्मेदारी आपकी होगी। अब तो देश में विधायक भी सुरक्षित नही हैं।

मेवानी के सहयोगी सुरेश जाट ने बताया कि गुजरात के प्रमुख दलित नेता मेवानी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा-153ए के तहत प्राथमिकी दर्ज होने के तुरंत बाद गिरफ्तार किया गया, जो समुदायों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने से संबंधित अपराधों से जुड़ी हुई है। यह प्राथमिकी असम के कोकराझार थाने में दर्ज कराई गई थी। जाट ने कहा कि असम पुलिस के अधिकारियों द्वारा साझा किए गए एक दस्तावेज के अनुसार, मेवानी के कुछ दिन पुराने एक ट्वीट के आधार पर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। हालांकि, इस ट्वीट को ट्विटर ने हटा दिया है।

धार्मिक जुलूस और शोभायात्रा के लिए योगी सरकार ने लिया बड़ा फैसला, अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन किया तो...

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली में हनुमान जयंती पर निकले शोभायात्रा के दौरान हुए उपद्रव के बाद योगी सरकार अलर्ट मोड पर है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आने वाले त्योहारों के मद्देनजर अफसरों को जरूरी निर्देश जारी किए हैं। आदेश के मुताबिक अब उत्तर प्रदेश में कोई भी बिना अनुमति के शोभा यात्रा या धार्मिक जुलूस नहीं निकाल पाएगा। आयोजकों को इसके लिए पहले अनुमति लेनी होगी। इसके साथ ही आयोजकों को इस दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखने के संबंध में एक एफिडेफिट भी देना होगा।

सीएमओ के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से इस बाबत ट्वीट किया गया है, जिसमें कहा गया है कि कोई शोभायात्रा/धार्मिक जुलूस बिना विधिवत अनुमति के न निकाली जाए। अनुमति देने से पूर्व आयोजक से शांति-सौहार्द कायम रखने के संबंध में शपथ पत्र लिया जाए। किसी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन नहीं किया जाना चाहिए।

इसके साथ ही सीएम योगी ने कमिश्नर से लेकर थाना स्तर तक के सभी प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की छुट्टी 4 मई तक के लिए तत्तकाल प्रभाव से निरस्त कर दी है। मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग में कहा कि अपनी धार्मिक विचारधारा के अनुसार सभी को अपनी उपासना पद्धति को मानने की स्वतंत्रता है। माइक का प्रयोग किया जा सकता है। लेकिन यह सुनिश्चित हो कि माइक की आवाज उस परिसर से बाहर न आए। सीएम योगी ने कहा है कि ऐसे धार्मिक आयोजनों में किसी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन नहीं किया जाना चाहिए।

जहांगीरपुरी को लेकर चढ़ा सियासी पारा, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यथास्थिति बनी रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली का जहांगीरपुर लगातार सुर्खियों में 16 अप्रैल यानी कि हनुमान जयंती के दिन यहां पर शोभा यात्रा के दौरान हिंसा हुई थी। इस हिंसा के बाद अब तक 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि क्राइम ब्रांच ने जांच के लिए 14 टीमों का गठन किया है। इसके साथ ही जहांगीरपुरी बुधवार को भी खूब सुर्खियों में रहा, जब एमसीडी ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ इलाके में बुलडोजर चलाया। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस अभियान पर रोक लगा दी। एमसीडी का दावा है कि यह एक नियमित कार्रवाई है और इसका हिंसा से कोई लेना देना नहीं है। हालांकि यह अभियान वही हुआ जहां हिंसा हुई थी। सुप्रीम कोर्ट के रोक लगाए जाने से पहले लगभग 2 घंटे तक यहां तोड़फोड़ का अभियान चला। आज इस मामले में एक बार फिर से सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने कहा कि यह मामला संवैधानिक और राष्ट्रीय महत्व के दूरगामी प्रश्न उठाता है। उन्होंने कहा कि यह मामला जहांगीरपुरी तक सीमित नहीं है, अगर इसकी अनुमति दी गई तो कानून का राज नहीं बचेगा।

दवे ने साफ तौर पर कहा कि पुलिस और नागरिक प्राधिकरण संविधान से बंधे हैं न कि किसी भाजपा नेता द्वारा लिखे गए पत्रों से और यह एक दुखद स्थिति है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि अतिक्रमण एक गंभीर मुद्दा है लेकिन मुद्दा यह भी है कि मुसलमानों को अतिक्रमण से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले दूसरे राज्यों में भी हो रहे हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता का कहना है कि दोनों दलीलें जमीयत उलमा-ए-हिंद की हैं। उन्होंने कहा कि एक समुदाय को निशाना बनाने का आरोप गलत है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि जहांगीरपुरी में यथास्थिति बनी रहेगी। फिलहाल इस मामले को लेकर 2 हफ्ते बाद सुनवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से हलफनामा भी मांगा है।

इन सब के बीच बुलडोजर वाली कार्रवाई को लेकर राजनीति भी तेज हो गई है। भाजपा पर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी लगातार हमला हुआ है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि भारत के संवैधानिक मूल्यों को ध्वस्त किया गया है और इसमें गरीबों तथा अल्पसंख्यकों को निशाना गया है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने जोर देते हुए कहा कि यह एक कानूनी कवायद है और इसका धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली और मध्य प्रदेश के हिंसा प्रभावित इलाकों में अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत बुलडोजर चलाए जाने को लेकर सरकार पर निशाना साधा और कहा कि बुलडोजर से

मकान नहीं, बल्कि देश के संविधान को ध्वस्त किया जा रहा है। राहुल ने कहा, 'मोदी जी, मंदी निकट है। बिजली की कटौती से छोटे उद्योग खत्म हो जाएंगे जिससे और रोजगार जाएंगे। नफरत का बुलडोजर रोकिए, ऊर्जा संयंत्रों को शुरू करिये।'आम आदमी पार्टी ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास और भाजपा मुख्यालय को बुलडोजर से गिरा देने से देश हमेशा के लिए सांप्रदायिक हिंसा और दंगों से मुक्त हो जाएगा। अरविंद केजरीवाल नीत पार्टी आप ने आरोप लगाया कि भाजपा ने पिछले सप्ताह हनुमान जयंती के जुलूस के दौरान जहांगीरपुरी में दो समुदायों के बीच संघर्ष कराया। आप ने भाजपा पर रामनवमी के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में हिंसा भड़काने का भी आरोप लगाया। आप ने आरोप लगाया कि सांप्रदायिक हिंसा और दंगे भड़काने के एकमात्र मकसद से, भाजपा ने पिछले आठ वर्षों के दौरान रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को देश के विभिन्न हिस्सों में अवैध रूप से बसाया है।

केंद्र सरकार फोन टैपिंग की आरोपी आईपीएस अधिकारी का बचाव कर रही: सांसद राउत

मुंबई। शिवसेना नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने बुधवार को दावा किया कि केंद्र सरकार आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला का बचाव कर रही है, जिनके खिलाफ कुछ नेताओं से जुड़े कथित फोन टैपिंग मामले में जांच चल रही है। मुंबई में संवाददाताओं से बातचीत में राउत ने कहा कि चाहे महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले हों या खुद वह या अन्य नेता रहे हों, सभी पर 'असामाजिक तत्व' होने का आरोप लगाकर उनके फोन टैप किये गये। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों पर मादक पदार्थ तस्कर और गैंगस्टर होने का लेबल लगा दिया गया। राउत ने कहा कि यह सब कुछ तब हुआ जब नवंबर, 2019 में महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार का गठन किया जा रहा था। उन्होंने कहा, 'सरकार के गठन के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए हम पर नजर रखी जा रही थी, हमारी निजता को रौंद दिया गया था।'

राउत ने राज्य खुफिया विभाग (एसआईडी) की पूर्व प्रमुख शुक्ला का नाम लिये बगैर कहा, 'एक पुलिस अधिकारी, जिससे निष्पक्ष तरीके से काम करने की उम्मीद की जाती है, वह एक पार्टी और उसके नेताओं के प्रति वफादारी दर्शाने के लिए काम कर रही थीं। अब केंद्र सरकार हमेशा की तरह उस महिला अधिकारी का बचाव कर रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।' वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के खिलाफ जांच शुरू की गई है। आरोप है कि एसआईडी प्रमुख रहते हुए उन्होंने राउत और पूर्व भाजपा नेता एकनाथ खडसे (अब राकांपा में) का फोन टैप कराया। पुणे पुलिस ने कथित फोन टैपिंग मामले में शुक्ला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। शुक्ला वर्ष 2016 से जुलाई 2018 तक पुणे पुलिस की आयुक्त रहीं, जो फिलहाल केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में तैनात हैं। शुक्ला ने कहा है कि उन्हें गलत तरह से फंसाया जा रहा है। उन्होंने खुद को राजनीतिक शत्रुता का शिकार बताया है।

सार समाचार

साबरमती आश्रम का दौरा करने वाले पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री बने बोरिस जॉनसन

अहमदाबाद। भारत के अपने दो दिवसीय दौरे पर आए ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने बृहस्पतिवार को महात्मा गांधी को असाधारण व्यक्ति बताया, जिन्होंने दुनिया को बेहतर बनाने के लिए सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों पर बल दिया। जॉनसन साबरमती आश्रम का दौरा करने वाले ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री बने।

साबरमती आश्रम से महात्मा गांधी ने एक दशक से अधिक समय तक ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता के लिए भारत के आंदोलन का नेतृत्व किया था। जॉनसन ने गांधी आश्रम में आगंतुक-पुस्तिका में लिखा, इस असाधारण व्यक्ति के आश्रम में आना और यह समझना कि उन्होंने दुनिया को बेहतर बनाने के लिए किस प्रकार सत्य और अहिंसा के सरल सिद्धांतों पर बल दिया, यह बहुत बड़ा सौभाग्य है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी की प्रशंसा की लेकिन स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ब्रिटेन के शासक वर्ग से गांधी के लिए ऐसी प्रशंसा दुर्लभ थी। अपनी यात्रा के दौरान, जॉनसन 'हृदय कुंज' गए जहां महात्मा गांधी रहते थे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने चरखे पर सूत कातने की भी कोशिश की। उन्हें चरखे की प्रतिकृति भी भेंट की गई। साबरमती आश्रम संरक्षण और स्मारक न्यास की ओर से जॉनसन को दो किताबें भेंट की गई हैं। इसमें एक 'गाइड टू लंदन' है जो अप्रकाशित है और इसमें लंदन में कैसे रहा जाए, इसको लेकर महात्मा गांधी के सुझाव हैं। दूसरी किताब मीराबेन की आत्मकथा 'द स्प्रिट्स पिल्ग्रिम्ज' है। जॉनसन का शुक्रवार को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का कार्यक्रम है।

सीरियल ब्लास्ट से दहल उठा अफगानिस्तान, मजार-ए-शरीफ की शिया मस्जिद में धमाका, 20 की मौत

अफगानिस्तान की मस्जिद में चार धमाके हुए हैं। मजार-ए-शरीफ की मस्जिद में धमाका हुआ है। इस धमाके में कई लोगों के जख्मी होने की खबर है। इसके अलावा काबुल, कुंनुडुंज और नंगरहार में भी धमाका हुआ है। समाचार एजेंसी एपी ने अस्पताल के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि गुरुवार को उत्तरी अफगानिस्तान के मजार-ए-शरीफ शहर में एक शिया मस्जिद में हुए शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम 10 नमाजियों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। मजार-ए-शरीफ के मुख्य अस्पताल के प्रमुख डॉ घौसुद्दीन अनवारी ने कहा कि मृतकों और घायलों को एम्बुलेंस और निजी कारों में लाया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तरी मजार-ए-शरीफ में साई डोकेन मस्जिद में विस्फोट उस समय हुआ जब मुस्लिम रमजान के पवित्र महीने में नमाज अदा कर रहे थे। मजार-ए-शरीफ में तालिबान कमांडर के प्रवक्ता मोहम्मद आसिफ वजेरी ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि जिले में एक शिया मस्जिद के अंदर एक विस्फोट हुआ, जिसमें 20 से अधिक लोग मारे गए और 66 घायल हो गए। अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यह घटना पश्चिमी काबुल के एक हाई स्कूल में तीन विस्फोटों के बाद हुई है, जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए और कई बच्चे घायल भी हो गए।

कब-कब हुए हमले

गौरतलब है कि इससे पहले भी अप्रैल की शुरूआत में काबुल में स्थित सबसे बड़ी मस्जिद में दोपहर की नामज के दौरान हथगोला फेंका गया था। जिसके फटने से छह लोग घायल हो गए थे। स्कूलों को काबुल में इससे पहले भी निशाना बनाया जा चुका है। 8 मऊ 2021 को स्कूल के पास किए गए ब्लास्ट में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी व 100 लोग घायल हो गए थे। वहीं 14 नवंबर को काबुल के शिया इलाके में धमाके से छह लोगों की मौत हुई थी।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में जोरदार बम विस्फोट, दो बच्चे जख्मी

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बृहस्पतिवार को सड़क के किनारे किए गए विस्फोट में दो बच्चे जख्मी हो गए। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जदरान ने एक ट्वीट में कहा कि विस्फोट पश्चिमी काबुल की एक सड़क के सुनसान हिस्से में हुआ। हालांकि यहां आसपास शिया बहुल इलाके हैं। दो दिन पहले इसी इलाके में, शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाकर कई विस्फोट किए गए थे जिनमें कम से कम छह बच्चों की मौत हो गई थी और 17 अन्य जख्मी हुए थे। बृहस्पतिवार को किए गए विस्फोट की किसी संगठन ने तत्काल जिम्मेदारी नहीं ली है। इस्लामिक स्टेट से संबंधित ह्यआईएस इन खोरसान प्रोविन्सह्न ने पूर्व में स्कूलों को निशाना बनाकर हमले किए हैं, खासकर शिया बहुल इलाकों में।

मजार-ए-शरीफ की मस्जिद में धमाका, 10 नमाजियों की मौत 40 घायल

काबुल । अफगानिस्तान की मस्जिद में चार धमाके हुए हैं। मजार-ए-शरीफ की मस्जिद में धमाका हुआ है। धमाके में कई लोगों के जख्मी होने की खबर है। इसके अलावा काबुल, कुंनुडुंज और नंगरहार में भी धमाका हुआ है। मीडिया के अनुसार अस्पताल के अधिकारी के हवाले से बताया कि गुरुवार को उत्तरी अफगानिस्तान के मजार-ए-शरीफ शहर में शिया मस्जिद में हुए शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम 10 नमाजियों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। मजार-ए-शरीफ के मुख्य अस्पताल के प्रमुख डॉ घौसुद्दीन अनवारी ने कहा कि मृतकों और घायलों को एम्बुलेंस और निजी कारों में लाया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तरी मजार-ए-शरीफ में साईं डोकेन मस्जिद में विस्फोट उस समय हुआ जब मुस्लिम रमजान के पवित्र महीने में नमाज अदा कर रहे थे।

मजार-ए-शरीफ में तालिबान कमांडर के प्रवक्ता मोहम्मद आसिफ वजेरी ने बताया कि जिले में एक शिया मस्जिद के अंदर एक विस्फोट हुआ, जिसमें 20 से अधिक लोग मारे गए और 66 घायल हो गए। अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यह घटना पश्चिमी काबुल के एक हाई स्कूल में तीन विस्फोटों के बाद हुई है, जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए और कई बच्चे घायल भी हो गए।

गौरतलब है कि इससे पहले भी अप्रैल की शुरूआत में काबुल में स्थित सबसे बड़ी मस्जिद में दोपहर की नामज के दौरान हथगोला फेंका गया था। जिसके फटने से छह लोग घायल हो गए थे। स्कूलों को काबुल में इससे पहले भी निशाना बनाया जा चुका है। स्कूल के पास किए गए ब्लास्ट में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी व 100 लोग घायल हो गए थे। वहीं 14 नवंबर को काबुल के शिया इलाके में धमाके से छह लोगों की मौत हुई थी।

रुस ने सरमत इंटरकॉंटिनेंटल बैलास्टिक मिसाइल का परीक्षण किया ।

सुस्ती से निपटने के लिए शीर्ष अर्थव्यवस्था मिलकर काम करे : भारत

वाशिंगटन । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जी-20 देशों के वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक में कहा कि, वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास की गति में आई सुस्ती से निपटने के लिए विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं को मिलकर प्रयास करना चाहिये।

वित्त मंत्रालय द्वारा पोस्ट किए बयानों के मुताबिक केंद्रीय वित्त मंत्री ने बैठक में कहा कि लंबे समय तक मुद्रास्फीति के उच्च स्तर पर बने रहने, आपूर्ति बाधा, ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव, और निवेशकों की अनिश्चितता के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था के बढ़ने की रफ्तार धीमी हुई है।

वित्त मंत्री विश्व बैंक समूह के स्प्रिंग बैठक में शामिल होने के लिए सोमवार को वाशिंगटन पहुंची थीं। मंगलवार को उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की अध्यक्ष क्रिस्टलीना जॉर्जीवा से मुलाकात कर वह इस बैठक में शामिल हुई इंडोनेशिया की अध्यक्षता में हुई बैठक का एजेंडा आर्थिक परिदृश्य और जोखिम, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संरचना और वैश्विक स्थिति था। सीतारमण ने कहा कि मोइक्रोइकोनॉमिक्स से संबंधित परिणामों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नीति समन्वय को बढ़ाने हेतु जी-20 पूरी तरह तैयार है। उन्होंने साथ ही अर्थव्यवस्थाओं को बचाने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि यह बैठक उस समय हो रही है, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था सुस्ती के दौर से गुजर रही है।

अब्दुल्ला यामीन के आवास के बाहर लगाए गए भारत विरोधी झंडे को हटाया गया, मालदीव सरकार ने कहा- नई दिल्ली हमारा करीबी सहयोगी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत और दुनिया के सबसे नए लोकतंत्रों में से एक मालदीव के बीच के बीच के रिश्ते सदियों से बेहतर संबंध रहे हैं। सामाजिक, सांस्कृतिर और भौगोलिक निकटता इसकी एक बड़ी वजह है। वहीं मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह भारत के नददीकि मित्र हैं। लेकिन हालिया कुछ दिनों में चीनी दखल और विपक्ष के बढ़ते प्रभाव कि वज से मालदीव भारत के लिए बेहद नाजुक मसला बना हुआ है। पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के बरी होने के बाद से वहां 'इंडिया आउट' कैंपेन तेज हो गया और साथ ही भारत विरोधी बैनर, तख्ते और झंडे नजर आने लगे। लेकिन अब इसमें एक नया डेवलपमेंट सामने आया है। मीडिया के सूत्रों के अनुसार मालदीव में अधिकारियों ने पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के आवास के बाहर लगाए गए भारत विरोधी झंडे को गिरा दिया है।

मालदीव में अधिकारियों ने पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के आवास के बाहर लगाए गए भारत विरोधी झंडे को गिरा दिया है। संसद अध्यक्ष नशीद ने इसके साथ ही ये स्पष्ट किया है कि भारत विरोधी बैनरों को लटकाए जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नशीद ने कहा कि नई दिल्ली हमारा एक करीबी सहयोगी है, ऐसे में इस तरह के झंडे लगाए जाने को स्वीकार नहीं किया जाएगा। मालदीव की सरकार ने एक आदेश भी जारी किया है कि जिसमें उनके देश में सभी भारत विरोधी अभियानों को रोके जाने की बात कही है। मालदीव सरकार की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि किसी भी देश के प्रति घृणा फैलाने वाले ऐसे अभियानों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि मालदीव एक मुस्लिम बहुल राष्ट्र है जहां सुन्नी मुस्लिम बहुतायत में पाए जाते हैं। यामीन दो कार्ड खेलते नजर आ रहे हैं। धार्मिक और सुरक्षा की भावना को भड़का यामीन भारत के खिलाफ माहौल बनाना चाहते हैं। यामीन का कहना है कि हम भारत को यहां से निकलवाना चाहते हैं। मालदीव में भारत को लेकर प्रमुख विवाद भारतीय नौसेना के बेड़ों की मौजूदगी को लेकर है। वहां भारतीय नौसेना का एक डोर्नियर विमान और दो हेलीकॉप्टर हैं जो 200 यहां-वहां फैले छोटे द्वीपों से मुख्यतया मरीजों को इलाज के लिए अस्पतालों तक पहुंचाने का काम करते हैं।

बुरे वक्त में श्रीलंका का मसीहा बना भारत, तेल खरीदने के लिए 50 करोड़ डॉलर की दी मदद

कोलंबो। (एजेंसी)

श्रीलंका इस समय बहुत बुरे आर्थिक स्थिति से गुजर रहा है और अपने पड़ोसी देश की मदद करने के लिए भारत मदद का हाथ बढ़ा रहा है। विदेश कर्ज में फंसने के बाद श्रीलंका को भारत ने एक बार फिर 50 करोड़ डॉलर की मदद देने की घोषणा की है। इसके अलावा भारत ने लगभग 2 अरब डॉलर का क्रेडिट लाइन भी दिया है। इससे श्रीलंका अपने जरूरत का सामान खरीद पाएगा। बता दें कि भारत ने 50 करोड़ डॉलर की सहायता श्रीलंका को तेल खरीदने के लिए दिया है। इस समय श्रीलंका में तेल के बिना कोहराम मचा हुआ है। तेल की कमी होने के कारण श्रीलंका में पेट्रोल के दाम 350 रुपये हो गए है।

एचटी की एक खबर के मुताबिक, श्रीलंका के विदेश मंत्री जीएल पीरिज ने बताया कि आईएमएफ श्रीलंका को 6 महीने के बीच मदद देगा और रकम भी किश्तों में मिलेंगी जिसके कारण अपने लोगों तक जरूरी सामान पहुंचाने के लिए विशेष फंड की जरूरत पड़ेगी जो हमे भारत के जरिए मिल रहा है। बताते चले कि भारत ने तेल की मदद दूसरी बार श्रीलंका को दी है। इससे न केवल वित्तीय व्यवस्था में सुधार आएगा बल्कि चावल, दवाई और अन्य जरूरी चीजे खरीदने में भी मदद मिलेगी। श्रीलंका को इस साल 8 अरब डॉलर का कर्ज किश्त के रूप में चुकाना है लेकिन उसके पास केवल एक अरब डॉलर से कम की रकम बच गई है। अगर यह रकम श्रीलंका नहीं चुकाता है तो वह दिवालिया हो जाएगा।

फ्रांस में राष्ट्रपति चुनाव का आखिरी दौर, मैक्रों ने अपनी प्रतिद्वंद्वी ले पेन पर साधा निशाना

वॉशिंगटन (एजेंसी)

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक टेलीविजन बहस में अपनी प्रतिद्वंद्वी एवं कट्टर दक्षिणपंथी मरिन ले पेन पर रूस के साथ उनके संबंधों और मुस्लिम महिलाओं को सार्वजनिक स्थान पर हिजाब पहनने (अपना सिर ढंकने) के अधिकार से वंचित करने को लेकर निशाना साधा। राष्ट्रपति चुनाव से पहले दोनों के बीच बहस के दौरान मैक्रों ने यह बयान दिया। फ्रांस में दूसरे दौर का मतदान 24 अप्रैल को होना है, जिसमें मैक्रों का मुकाबला दक्षिणपंथी प्रतिद्वंद्वी मरीन ले पेन से है। पहले दौर का मतदान 10 अप्रैल को हुआ था। मैक्रों ने कहा कि उनकी प्रतिद्वंद्वी परमाणु-सशस्त्र लैस एवं जातीय रूप से वैविध्यपूर्ण यूरोपीय शक्ति का नेतृत्व करने और रूस का मुकाबला करने की क्षमता नहीं रखतीं। उन्होंने कहा कि ले पेन विश्वास करने लायक नहीं हैं। उन पर बेईमानी का आरोप लगाते हुए मैक्रों ने कहा कि उन्होंने अपने चुनावी वादों में गलत आंकड़ों का इस्तेमाल किया।

उन्होंने यह भी कहा कि ले पेन की मुस्लिम महिलाओं के सार्वजनिक स्थानों पर हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने की योजना से देश में 'गृह युद्ध' शुरू हो जाएगा। पश्चिमी यूरोप में सबसे अधिक मुस्लिम आबादी फ्रांस में ही है। वहीं, ले पेन ने यूक्रेन में रूस के आक्रमण के कारण बढ़ती महंगाई से परेशान मतदाताओं से वोट करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वह अगर फ्रांस की पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में चुनी जाती हैं, तो महंगाई कम करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने 'येलो वेस्ट' प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि मैक्रों के कार्यकाल में देश विभाजित हो गया है।

दुनिया के सबसे अधिक बंद देशों में से एक है उत्तर कोरिया, कचरे से पचा लगाया जा सकता है यह

सियोल। (एजेंसी)

दक्षिण कोरिया के डोंग-ए विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कांग दोंग वान ने कहा है कि दक्षिण कोरियाई द्वीप समूह पर उत्तर कोरिया से आने वाले कचरा महत्वपूर्ण हो सकता है क्योंकि इससे हम यह सीख सकते हैं कि उत्तर कोरिया में कौन से उत्पाद निर्मित होते हैं और लोग वहां किन वस्तुओं का उपयोग करते हैं। कांग (48) ने एपी से कहा कि उन्हें अपने शोध को पूरा करने के लिए इस पद्धति की ओर रुख करना पड़ा क्योंकि कोविड-19 महामारी में बाहरी लोगों के लिए यह पता लगा पाना मुश्किल हो गया था कि उत्तर कोरिया के अंदर क्या हो रहा है। उत्तर कोरिया दुनिया के सबसे अधिक बंद देशों में से एक है। कांग ने पांच पश्चिम सागर द्वीपों से उत्तर कोरियाई कचरा उठाए जाने के संबंध में एक पुस्तक लिखी है। कांग का मानना ??है कि उत्तर कोरिया के कचरे की विविधता व मात्रा आदि से उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया रिपोर्टों की पुष्टि होती है कि नेता किम जोंग उन अपने लोगों की मांगों को पूरा करने और उनकी आजीविका में सुधार के लिए विभिन्न प्रकार के उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि किम, अपने तानाशाही शासन के बावजूद, उन उपभोक्ताओं की रुचि को नजरअंदाज नहीं कर सकते जो अब पूंजीवादी शैली के बाजारों में उत्पाद खरीदते हैं क्योंकि देश की समाजवादी सार्वजनिक राशन प्रणाली टूट गई है और महामारी के दौरान इसकी आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। कांग ने कहा, वर्तमान उत्तर कोरियाई नागरिक ऐसी पीढ़ी हैं जो यह महसूस कर चुके हैं कि बाजार और अर्थव्यवस्था क्या है। किम उनका समर्थन नहीं हासिल कर सकते अगर वह केवल परमाणु विकास कार्यक्रम से चिपके रहते हुए उनका दमन करते हैं। कांग ने कहा, उन्हें (किम) यह दिखाने की जरूरत है कि उनके शासन में कुछ बदलाव हुए हैं। कांग ने बताया कि कोविड-19 महामारी से पहले वह उत्तर कोरियाई लोगों से मिलने के लिए नियमित रूप से चीनी सीमावर्ती शहरों का दौरा करते थे। इस दौरान कई बार उन्होंने उत्तर कोरियाई उत्पाद खरीदे और नदी की सीमा के पार उत्तर कोरियाई गांवों की तस्वीरें भी खींची। हालांकि, अब वायरस को लेकर चीन के प्रतिबंध विदेशी यात्रियों को आने की अनुमति नहीं देते हैं। कांग ने सितंबर 2020 से, देश के पांच दक्षिण कोरियाई सीमावर्ती द्वीपों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जूस पाउच, पेय पदार्थों की बोतलों सहित उत्तर कोरियाई कचरे के लगभग दो हजार टुकड़े इकट्ठा किए। कांग ने कहा कि वह दर्जनों अलग-अलग प्रकार की रंगीन पैकेजिंग सामग्री देखकर हैरान हो गए, जिनमें से कई आइसक्रीम बार, दूध और दही आदि उत्पादों के लिए थी। उन्होंने बताया कि कई उत्पादों के पैकेटों में विभिन्न प्रकार के ग्राफिक, कार्टून चरित्र आदि छपे थे। कुछ अब भी पश्चिमी मानकों से पुराने लग सकते हैं और कुछ में दक्षिण कोरियाई और जापानी डिजाइनों की नकल भी है। उत्तर कोरिया में स्वास्थ्य के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने वाली वेबसाइट डीपीआरकेहैल्थडॉटओआरजी के प्रमुख आह क्यूंग-सु ने कहा कि अन्य विशेषज्ञ सरकारी मीडिया के माध्यम से उत्तर कोरिया में उत्पादों और पैकेजिंग डिजाइनों की विविधता का अध्ययन करते हैं, लेकिन कांग का कचरा संग्रह गहन विश्लेषण प्रदान करता है।

पूर्व पेंटागन अधिकारी ने भारत-अमेरिका के रक्षा संबंध पर कहा- यह विश्वसनीय है

वाशिंगटन। (एजेंसी)

अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन की पूर्व शीर्ष अधिकारी एवं अब ह्यबोइंगह्न की वरिष्ठ अधिकारी हैदी ग्रांट ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े एवं सबसे पुराने लोकतंत्रों भारत और अमेरिका के बीच संबंध कई वर्षों में काफी विश्वस्नीय बन गए हैं। 'बोइंग बिजनेस डेवल्पमेंट, डिफेंस, स्पेस, सिक्योरिटी एंड ग्लोबल सर्विसेज' की अध्यक्ष हैदी ग्रांट ने बुधवार को कहा कि भारत के हवाई क्षेत्र के बुनियादी ढांचे, रक्षा क्षमताओं, विनिर्माण, इंजीनियरिंग एवं सेवाओं, कौशल विकास तथा नवाचार में बोइंग का निवेश आने वाले वर्षों में बढ़ता रहेगा।

उन्होंने कहा, '2010 में, जब मैं पेंटागन में वायु सेना के अंतरराष्ट्रीय मामलों की सचिव थी, भारत-अमेरिका रक्षा संबंध तब बढ़ने शुरू ही हुए थे और अब देखिए कि हम कहा पहुंच गए हैं। जब मुझसे पूछा जाता है कि पेंटागन में अपने कार्यकाल के दौरान मुझे किस बात पर सबसे अधिक गर्व है, तो मैं कहती हूं कि मुझे भारत के साथ अपने संबंधों पर गर्व है।' ग्रांट ने कहा, ह्यह्य मेरा मानना है कि अमेरिका और भारत के बीच रक्षा क्षेत्र में संबंध काफी विश्वसनीय बन गए हैं, जिसकी शुरूआत सी-17 से हुई थी, जो इस रिश्ते का प्रतीक बन गया है। देखिए भारत कैसे मानवीय सहायता तथा आपदा राहत अभियानों के लिए अपने सी-(मालवाहक जाहज) का इस्तेमाल कर रहा है। जिस तरह से वह चिनूक, अपाचे, पी-8आई का इस्तेमाल कर रहा है, उससे भारतीय वायु सेना, भारत के रक्षा मंत्रालय की विश्व स्तर पर और भारत की जनता के बीच उसकी प्रतिष्ठा बढ़ी है।'

ग्रांट नवंबर 2021 में बोइंग में शामिल हुईं थी। इससे पहले अमेरिकी रक्षा मंत्रालय में उन्होंने 32 साल तक अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) के निदेशक के रूप में कार्य किया, जो रक्षा लेख, सैन्य प्रशिक्षण और अन्य रक्षा-संबंधी सेवाओं से जुड़े सभी डीओडी सुरक्षा सहयोग कार्यक्रमों के लिए जिम्मेदार हैं। वहां, उन्होंने 150 से अधिक देशों के साथ 600 अरब डॉलर से अधिक लागत वाले 15000 से अधिक सैन्य बिक्री समझौतों को अंजाम देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्रांट ने डीएससीए में अपनी सेवाओं को याद करते हुए कहा कि सबसे अधिक समय उन्होंने भारत के साथ ही बिताया। ग्रांट ने पिछले रविवार को ह्यबोइंग डिफेंस, स्पेस एंड सिक्योरिटी' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टेड कोल्बर्ट के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा, 'आखिरी बार मैंने 2020 में टू प्लस टू मंत्री स्तरीय वार्ता के दौरान तत्कालीन विदेश मंत्री मार्क एस्पर के साथ भारत में सिंह से मुलाकात की थी।' ग्रांट ने कहा, 'हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रों, अमेरिका और भारत के बीच मजबूत एवं बढ़ते संबंधों के लिए राजनीतिक एवं उद्योग संरेखण तथा द्विदलीय समर्थन का स्वागत करते हैं। बोइंग में इस मौलिक, परिवर्तनकारी बदलाव का हिस्सा बनना हमारे लिए काफी रोमांचक है और हम भारत के रक्षा हवाई क्षेत्र, रक्षा क्षेत्र और औद्योगिक आधार के निर्माण में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' भारत की रक्षा जरूरतों पर एक सवाल के जवाब में, ग्रांट ने कहा कि विभिन्न देशों से विभिन्न प्रकार के उपकरणों को चलाना मुश्किल है। उन्होंने कहा, 'इसमें काफी खर्चा आता है और तार्किक रूप से बुनियादी ढांचों और निरंतरता आदि का प्रबंधन करना चुनौतीपूर्ण है। इसके लिए एक संतुलन कायम करने की जरूरत है और अमेरिका उन क्षेत्रों को भरने या उनमें से कुछ क्षमताओं को बदलने के लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

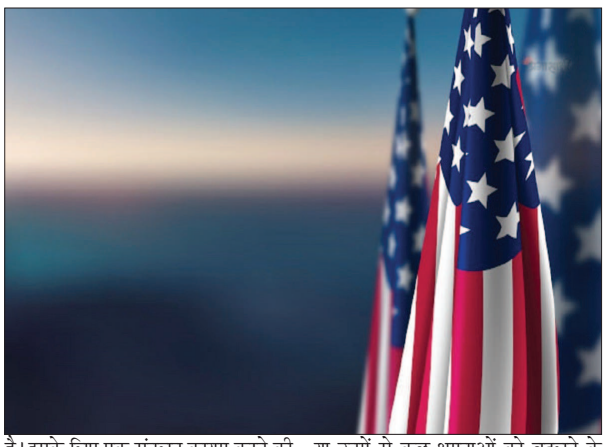

सुविचार हमारे अंदर अंधकार और रोशनी दोनों है, यह हमें चुनना है कि इनमें से हम किस को महत्व देते है। - जे. के. रालिंग

संपादकीय

मास्क की वापसी

भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों ने फिर कुछ पाबंदियों की वापसी करा दी है। जब लोग पाबंदियों से निकलकर सामान्य जीवन जीने लगे हैं, तब संक्रमण ने फिर अपना आतंक प्रदर्शित कर दिया है। राष्ट्रीय राजधानी में मास्क की न केवल वापसी हो गई है, बल्कि मास्क न पहनने वालों को 500 रुपये जुर्माना भी देना पड़ेगा। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी की बैठक में बुधवार को यह कड़ा फैसला लेते हुए मास्क को अनिवार्य कर दिया गया है। एक चर्चा तो स्कूलों को लेकर भी थी कि क्या संक्रमण पर अंकुश के लिए स्कूलों को फिर से ऑनलाइन कर दिया जाए। बमुश्किल घरों से निकले बच्चों से ज्यादा उनके अभिभावकों को चिंता हो रही है, क्योंकि किसी-किसी दिन बच्चों में संक्रमण ज्यादा दिख रहा है। पिछले सप्ताह कुछ स्कूलों को बंद भी करना पड़ा था। बहरहाल, फैसला हुआ है कि स्कूल अभी खुले रहेंगे। स्कूलों को खोले रखना जरूरी ही नहीं, मजबूरी भी है। पढ़ाई का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई आसान नहीं है। इसके अलावा, स्कूलों का प्रबंधन भी प्रभावित हुआ है, वर्तमान स्कूली ढांचे के तहत स्कूलों के लिए ऑफलाइन होना गंभीर अनिवार्यता है। दिल्ली में आगामी दिनों में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। डॉक्टर हालात पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। बैठक में यह भी चर्चा हुई है कि अभी कोरोना के मामले ऐसे नहीं हैं कि अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़े। जो बच्चे संक्रमित हुए हैं, उनमें से ज्यादातर का इलाज घर में ही चल रहा है। अत- स्कूल और आपदा प्रबंधन से जुड़े लोग अभी संक्रमण की रफ्तार जांचने के पक्ष में हैं। अगले 15 दिन अस्पतालों में मरीजों के भर्ती होने के अनुपात को समझा जाएगा। आरटी-पीसीआर टेस्ट में संक्रमित पाए जाने वाले सभी सैंपल की जीनोम सिक्वेंसिंग कराने का भी फैसला किया गया है। जांच भी बढ़ाई जाएगी, पर इसके लिए लोगों को स्वयं आगे आना होगा। चिकित्सा महकमे को देखना होगा कि जांच की सुविधाओं में कमी नहीं आनी चाहिए। कई बार लोग जांच की परेशानी से बचते हुए ही उपचार को तरजीह देते हैं। जबकि जांच और उसके परिणाम संक्रमण की प्रवृत्ति पर नजर रखने के लिए जरूरी हैं। सरकार ने फैसला लिया है कि लक्षण वाले सभी लोगों की जांच कराई जाएगी, तो इसके लिए जगह-जगह सरकारी अस्पतालों में इंतजाम भी पूरे रखने होंगे। दूसरी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों पर भी नजर रखने का फैसला उपयोगी है, क्योंकि कोरोना से गुजर चुके लोग बड़ी संख्या में तरह-तरह की बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। फिर दिल्ली की बात करें, तो मंगलवार को कोरोना संक्रमण के 632 नए मामले सामने आए हैं। संक्रमण दर अभी भी चिंता की वजह है। 11 से 18 अप्रैल के बीच दिल्ली में दैनिक मामलों में लगभग तीन गुना वृद्धि देखी गई है, इसलिए दिल्ली को देश में कोरोना के नए केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। अत- कड़ाई समय की मांग है, ताकि लॉकडाउन के बाद पूरी रफ्तार पकड़ चुके राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थिति हाथ से नहीं निकले। डॉक्टरों का पहले से मानना रहा है कि कमजोर स्वास्थ्य के लोगों को हमेशा मास्क पहनना चाहिए। बेशक, स्कूल खुले रहेंगे, लेकिन स्कूलों को पूरी सावधानी और चौकसी का परिचय देना होगा। दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मिजोरम की सरकारों को केंद्र की ओर से सचेत भी किया गया है। मतलब, कोरोना से लड़ाई को अभी कतई खत्म नहीं मानना चाहिए।

आज के कार्टुन

सहानुभूति

श्रीराम शर्मा आचार्य

सहानुभूति मनुष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है। हर मनुष्य दूसरे मनुष्य से मानवता के एक सूत्र से बंधा हुआ है। इस नियम में शिथिलता पड़ जाए तो सारा जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। स्वार्थ और आत्मतुष्टि की भावना से लोग दूसरों के अधिकार छीन लेते हैं, स्वत्व का अपहरण कर लेते हैं, शक्ति का शोषण कर लेने से बाज नहीं आते। इन विश्रृंखलता के आज सभी ओर दर्शन किए जा सकते हैं। अपनी स्वादप्रियता के लिए जानवरों, पशु-पक्षियों की बात तो दूर रही, लोग दुधमुंहे बच्चों तक मांस खा जाते हैं, ऐसे समाचार भी कभी-कभी पढ़ने को मिलते रहते हैं। दवा, श्रृंगार और विलासिता के साधनों की पूर्ति अधिकांश अनैतिक कर्मो से हो रही है। इस जीवन काल में मानवता के संरक्षण के लिए सहानुभूति अत्यंत आवश्यक है। इसी से दैवी संपदाओं का संरक्षण किया जा सकता है। तत्वों से संघर्ष करने के लिए जिस संगठन की आवश्यकता है, उसे सहानुभूति के द्वारा ही पूरा किया जा सकता है। सहानुभूति एक शक्ति है, एक सम्बल है, जिससे मानवता के हितों की रक्षा होती है। सहानुभूति इतनी विशाल आत्मिक भाषा है कि इसे पशु-पक्षी तक प्यार करते हैं। किसी चरवाहे पर सिंह हमला कर दे तो समूह के सारे जानवर उस पर टूट पड़ते हैं और सींगों से मार-मारकर बलशाली शेर को भगा देते हैं। एक बंदर की आर्त पुकार पर सारे बंदर इकट्ठा हो जाते हैं। बाज के आक्रमण से सावधान रहने के लिए चिड़ियाएं विचित्र प्रकार का शोर मचाती हैं। यह बिगुल सुनते ही सारे पक्षी अपना-अपना मोर्चा मजबूत बना कर छुप जाते हैं। सहानुभूति की भावना से जब पशुओं तक में इतनी उदारता हो सकती है, तो मनुष्य इससे कितना लाभान्वित हो सकता है, इसका मूल्यांकन भी नहीं किया जा सकता। हृदय की विशालता और जीवन की महानता सहानुभूति से मिलती है। सार्वभौमिक, प्रेम, नियम और ज्ञान प्राप्त करने का आधार सहानुभूति है। इससे सारा संसार एक ही सत्ता में बंधा हुआ दिखाई देता है। सहानुभूति के विकास के साथ चार और सुणों का विकास होता है- 1) दयाभाव, 2) उदारता, 3) भद्रता; और 4) अंतर्दृष्टि। सहानुभूति की भावनाएं जितना अधिक प्रौढ़ होती हैं, दया भावना उसी के अनुरूप आवेश-मात्र न रहकर स्वभाव का अंग बन जाती है।

आखिर क्यों धधक रही है धरती?

(लेखक-योगेश कुमार गोयल/ विश्व पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) पर विशेष

इस साल मार्च महीने से ही भीषण गर्मी का जो कहर देखा जा रहा है, उसकी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। न केवल मार्च माह में बल्कि अप्रैल मध्य तक तापमान प्राय: सामान्य ही रहता था लेकिन इस बार तापमान जिस तरह के रिकॉर्ड तोड़ रहा है, ऐसे में पूरी संभावना जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में पृथ्वी और ज्यादा तीव्रता के साथ तपेगी और भारत में लोगों को लू का भयानक कहर झेलना पड़ सकता है। वैसे न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के प्रति लोगों को संवेदनशील बनाने तथा पृथ्वी को संरक्षण प्रदान करने और दुनिया के समस्त देशों से इस कार्य में सहयोग व समर्थन हासिल करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है। 'पृथ्वी दिवस' पहली बार बड़े स्तर पर 22 अप्रैल 1970 को मनाया गया था और तभी से केवल इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। उस आयोजन में समाज के हर वर्ग और क्षेत्र के करीब दो करोड़ अमेरिकियों ने हिस्सा लिया था। उस समय अमेरिकी सीनेटर गेलार्ड नेल्सन द्वारा पृथ्वी को संरक्षण प्रदान करने के लिए इस महत्वपूर्ण दिवस की स्थापना पर्यावरण शिक्षा के रूप में की गई थी, जिसे अब इसी दिन दुनिया के कई देशों में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। दरअसल धरती की सेहत बिगाड़ने और इसके सौन्दर्य को ग्रहण लगाने में समस्त मानव जाति जिम्मेदार है। आधुनिक युग में मानव जाति की सुख-सुविधा के लिए सुविधाओं के हुए विस्तार ने ही पर्यावरण को सर्वाधिक क्षति पहुंचाई है और निरन्तर हो रहा जलवायु परिवर्तन इसी की देन है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं और वर्ष 2015 में पेरिस सम्मेलन में 197 देशों ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए अपने-अपने देश में कार्बन उत्सर्जन कम करने और 2030 तक वैश्विक तापमान वृद्धि को 2 डिग्री तक सीमित करने का संकल्प लिया था किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक कोई ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। हालांकि प्रकृति पिछले कुछ वर्षों से बारम्बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में भी गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर प्रकृति से भयानक तरीके से खिलवाड़ के बहुत खतरनाक नतीजे होंगे लेकिन फिर भी धरती की सेहत सुधारने के लिए अपेक्षित कारगर कदम नहीं उठते दिख रहे। जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पृथ्वी का तापमान यदि इसी प्रकार वर्ष दर वर्ष बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह मार्च महीने में ही 40 के पार रहने लगा है। प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक में इस संबंध में बताया गया है कि यदि पृथ्वी का तापमान इसी प्रकार बढ़ता रहा तो इससे एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में वृद्धि होगी, वहीं पृथ्वी का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे। अब प्रश्न यह है कि पृथ्वी का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? इसका सबसे प्रमुख कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 7.9 अरब हो चुकी है। अब विचारणीय तथ्य यही है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। पृथ्वी का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, यदि प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा। अब यह हमें ही तय करना है कि हम किस युग में जीना चाहते हैं? एक ऐसे युग में, जहां सांस लेने के लिए प्रदूषित वायु होगी और पीने के लिए प्रदूषित और रसायनयुक्त पानी तथा ढ़ेर सारी खतरनाक बीमारियों की सौगात या फिर ऐसे युग में, जहां हम स्वच्छंद रूप से शुद्ध हवा और शुद्ध पानी का आनंद लेकर एक स्वस्थ सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

लेखक -चंद्रकांत सी पूजारी, गुजरात

सुधारों से खुलेगी शीघ्र न्याय की राह

अनूप भटनागर

केंद्र सरकार भले ही बार-बार दावा करे कि न्यायपालिका की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जा रही है ताकि जनता को शीघ्र न्याय मिल सके, लेकिन हकीकत यह है कि उसकी प्राथमिकता-सूची में न्यायपालिका व न्यायिक सुधार शामिल नहीं हैं। विधि आयोग के गठन के बावजूद इसके अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति में करीब दो साल विलंब और मुख्यमंत्रियों तथा मुख्य न्यायाधीशों के द्विवार्षिक सम्मेलन का समय पर न हो पाना इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। न्यायपालिका से जुड़े विषयों के प्रति सरकार की गंभीरता का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि 24 फरवरी, 2020 को 22वें विधि आयोग के गठन के बावजूद इसके अध्यक्ष व सदस्यों की अभी तक नियुक्ति नहीं हुई। 22वें विधि आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति के लिए भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने 2020 में ही सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका तक दायर की थी जो अभी लंबित है, लेकिन विधि आयोग अभी भी अध्यक्ष विहीन है। विधि एवं न्याय मंत्री किरण रिजिजू ने बीती फरवरी में संसद को सूचित किया कि नए विधि आयोग को समान नागरिक संहिता जैसे महत्वपूर्ण विषय पर काम करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल सकेगा क्योंकि इसके अध्यक्ष व सदस्यों की अभी नियुक्ति होनी है। इसी तरह, देश में हर दो साल के अंतराल पर न्यायिक सुधारों पर विचार के लिए मुख्यमंत्रियों और मुख्य न्यायाधीशों का सम्मेलन होता है लेकिन इस बार छह साल बाद 30 अप्रैल को इसका आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ही प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण और अन्य न्यायाधीश भी संबोधित करेंगे। यही नहीं, सरकार के दावों के बावजूद आज भी उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के 387 पद रिक्त हैं जबकि इनमें लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस समय देश के उच्च न्यायालयों में 58,88,940 मुकदमें लंबित हैं जिनमें दीवानी मामलों की संख्या ही 42,52,232 है। यही स्थिति निचली अदालतों की है जिनमें करीब चार करोड़ 12 लाख मुकदमे लंबित हैं। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण बार-बार तथ्य दोहरा रहे हैं कि लंबित मुकदमों की भारी-भरकम संख्या और न्यायाधीशों की कमी से वादकारियों में यह धारणा बनती जा रही है कि अदालत में तो उन्हें सालों बाद न्याय मिलेगा। न्यायमूर्ति रमण का मत है कि न्याय तक सुगमता से पहुंच तभी संभव होगी जब हम पर्याप्त संख्या में अदालतें स्थापित कर उनमें बुनियादी सुविधाएं दें ताकि वादकारी तेजी से न्याय मिलने के यकीन के साथ अदालत आ सकें। अधीनस्थ न्यायपालिका की स्थिति यह है कि देश के 651 जिलों में 3,377 अदालत परिसर हैं, जिनमें कुल 21,035 अदालतें और 17,812 पदासीन न्यायाधीश तथा न्यायिक अधिकारी हैं। जिलों में कम से कम 618 अदालतें खाली हैं। इसकी वजह न्यायाधीशों के पद रिक्त होना है। प्रधान न्यायाधीश उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों तथा अधीनस्थ न्यायपालिका के कामकाज में सुधार तथा न्यायाधीशों के रिक्त पदों पर नियुक्तियों के लिए लगातार प्रयत्नशील हैं लेकिन उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिल रही है। प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाला कॉलेजियम जब रिक्त स्थानों पर नियुक्ति या फिर अधीनस्थ अदालत के न्यायाधीशों को पदोन्नति देकर उच्च न्यायालय में नियुक्त करने की सिफारिश करता है तो केन्द्र सरकार कई-कई महीने उस पर आगे कार्यवाही नहीं करती है। इस रवैये पर शीर्ष अदालत ने कई बार अपनी नाराजगी व्यक्त की लेकिन स्थिति में बहुत अधिक सुधार होता नजर ही नहीं आता है। न्यायमूर्ति रमण, जो इस साल 26 अगस्त को 65 साल की आयु में देश के प्रधान न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हो रहे हैं, का मानना है कि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष निर्धारित करना व्यावहारिक नहीं है और इस आयु सीमा को बढ़ाने के सवाल पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु सीमा बढ़ाने का मसला लंबे समय से चर्चा में है। पहले भी कई पूर्व प्रधान न्यायाधीश और यहां तक कि अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल भी यह आयु सीमा बढ़ाने के पक्ष में अपनी राय व्यक्त कर चुके हैं। पूर्व न्यायाधीशों का मत रहा है कि सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में लंबित मुकदमों का बोझ कम करने में मदद मिलेगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार मुख्यमंत्रियों और मुख्य न्यायाधीशों के द्विवार्षिक सम्मेलन में न्यायिक सुधारों, न्यायाधीशों के रिक्त पदों पर त्वरित नियुक्तियां तथा मुकदमों की लंबित संख्या कम करने के बारे में दिये जाने वाले सुझावों को प्राथमिकता देगी।

सू-दोकू नवताल -2097

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

सू-दोकू -2096 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2097

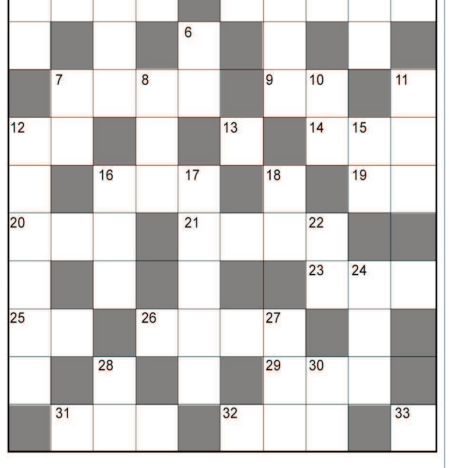

बायें से दायें:-

1. रनबीर व सोनम कपूर की फिल्म-4
3. 'ये इश्क हाये बैठे बिठाए' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-2,1,2
7. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-4
9. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
12. 'इतना मैं चाहूं तुझे' गीत वाली फिल्म-2
13. गौतम गुप्ता, निशा कोठारी की फिल्म-1
14. नाना पाटेकर, की 'सनम तुम हम पे मरते हो' गीत वाली फिल्म-3
16. राजेन्द्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-3
19. विनोद खन्ना, अमोल म्हात्रे, डिम्पल कपाड़िया की 'चम्पई धूप के सावे' गीत वाली फिल्म-2
20. 'ये मौसम भी गया' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा जुल्का की फिल्म-3
21. राजकपूर, जेमिनी गणेशन, वैजयंतीमाला की फिल्म-4
23. 'इन बहारों में अकेले ना फिरो' गीत वाली धर्मेन्द की फिल्म-3
25. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-2
26. 'ये पहली मुलाकात है' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, पूनम ढिल्लो की फिल्म-4
29. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-3
31. 'के तेरे बिन जीना नहीं' गीत वाली तुषार कपूर, श्रेयांस तलपदे, उदिता गोस्वामी, नौहीद, की फिल्म-3
32. अमिताभ बच्चन, मौसमी चटर्जी की फिल्म-3
33. 'खुद को मार डाला रे' गीत वाली रणदीप हूडा, सुशांत सिंह, यशपाल शर्मा, रुखसार, राइमा सेन, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-1

ऊपर से नीचे:-

1. 'हुई आंख नम और साथी कोई भूला' गीत वाली आदित्य पंचोली, मोहसिन खान, वर्षा उसगांवकर की फिल्म-2
2. 'पंछी नदिया पवन के झोंके' गीत वाली फिल्म-3
4. फिल्म 'पहचान' में मनोज कुमार की नायिका-3
5. आमिर, फैजल खान, टिवंकल खन्ना की 'तुझे रब ने बनाया है कमाल' गीत वाली फिल्म-2
6. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-2
7. गोविंदा, सोनम की 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली फिल्म-2
8. 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली की फिल्म-3
10. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-2
11. 'ओ एक दो तीन चार, राजू दादा के चेले होशियार' गीत वाली शत्रुघ्न सिन्हा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-3
12. अमिताभ, धर्मेन्द्र, रेखा की 'यार की खबर मिल गई' गीत वाली फिल्म-2,4
15. 'सपनों में जो आने लगा' गीत वाली प्रियांशु चटर्जी, नेहा धूपिया की फिल्म-2
16. संजय दत्त, अरशद वारसी, जावेद जाफरी की 'चल नाचें शोर मचालें' गीत वाली फिल्म-3
17. 'खाब हो तुम या कोई हकीकत' गीत वाली देव आनंद, सिमी, नंदा, कल्पना की फिल्म-2,3
18. सुनील दत्त, आशा पारेख की 'आज नाचूं ऐसे' गीत वाली फिल्म-2
22. 'तू कल चला जाएगा' गीत वाली संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लो की फिल्म-2
24. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
27. बाल फिल्म 'मकड़ी' में चुड़ैल की भूमिका किस ने की थी-3
28. इरफान,आयलिन हेमन, हिमांशु मलिक की 'खूबसूरत है वो इतना' गीत वाली फिल्म-2
30. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2096

पि	ता			ह	म	सा	या		प्या	सा
या	र	ना			ज	या		गै		ग
का		खु	श	बू			आ	र	पा	र
घ	रौं	दा			र	त	न		पी	
र			कुं			बू		मे		यु
	दो	ब	द	न			कि	ला		वा
ह	स्ती			न	ज	र	ना		र	
थ		अं			र			र	म	जा	ने
क	न्या	दा	न			डों		वा		पा
ड़ी		ज		म	न	च	ली			ल

अब स्कूलों में फैलना शुरू हुआ कोरोना, अगर बच्चे में दिख रहे हैं ये लक्षण तो न भेजें स्कूल

बेशक कोरोना के नए मामले कम होना और स्कूलों को फिर से खोला जाना एक अच्छा संकेत है लेकिन परिजनों को ध्यान रखना चाहिए कि कोरोना महामारी के खिलाफ जंग अभी खत्म नहीं हुई है। एशिया और यूरोप के कई देशों में चौथी लहर ने दस्तक दे दी है और मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में जो लोग अपने बच्चों को वापस स्कूल भेज रहे हैं, उन्हें कुछ लक्षणों को ध्यान में रखना चाहिए।

कोरोना वायरस महामारी की वजह से दो साल से घर में कैद बच्चों ने स्कूल जाना शुरू कर दिया है। कोरोना की तीसरी लहर खत्म होने के बाद स्कूल खुले हुए कुछ दिन ही हुए थे कि छात्रों में कोरोना के मामले मिलने शुरू हो गए हैं। जाहिर है बच्चों में कोरोना मिलने से एक बार फिर चिंता पैदा हो गई है। बताया जा रहा है कि दिल्ली-एनसीआर के कई स्कूलों में कई छात्र और अध्यापकों में कोरोना पाया गया है, जिसके चलते स्कूलों को एक बार फिर बंद कर दिया गया है और फिर से ऑफलाइन क्लास शुरू हो गई हैं। इस खबर से बच्चों और परिजनों में बेचैनी पैदा हो गई है। बेशक कोरोना के नए मामले कम होना और स्कूलों को फिर से खोला जाना एक अच्छा संकेत है लेकिन परिजनों को ध्यान रखना चाहिए कि कोरोना महामारी के खिलाफ जंग अभी खत्म नहीं हुई है। एशिया और यूरोप के कई देशों में चौथी लहर ने दस्तक दे दी है और मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में जो लोग अपने बच्चों को वापस स्कूल भेज रहे हैं, उन्हें कुछ लक्षणों को ध्यान में रखना चाहिए। अगर बच्चों में कुछ कोरोना से मिलते-जुलते लक्षण नजर आए, तो बच्चों को स्कूल भेजने की भूल न करें।

बच्चों में कोरोना के लक्षण

कोरोना होने पर कुछ बच्चों में लक्षण नजर आ सकते हैं जबकि कुछ बच्चों में नहीं भी दिख सकते। अगर बच्चों में कोरोना के आम लक्षणों की बात की जाए, तो उनमें खांसी और बुखार जैसे लक्षण नजर आ सकते हैं। आपको इन लक्षणों पर नजर रखनी चाहिए-

- बुखार
- लगातार खांसी
- सीने में दर्द
- गंध और स्वाद की कमी
- गले में खराश
- पेट और आंतों से जुड़ी समस्याएं
- मांसपेशियों में दर्द
- गंभीर सिरदर्द

बच्चों में खांसी का रखें ज्यादा ध्यान

जर्नल पीडियाट्रिक्स में प्रकाशित एक अध्ययन में शिशुओं और छोटे बच्चों में क्रुप की ज्यादा समस्या देखी गई। क्रुप ऊपरी वायुमार्ग का संक्रमण है, जो सांस लेने में बाधा डालता है और भौंकने वाली खांसी का कारण बनता है। इसमें वॉयस बॉक्स के आसपास सूजन हो जाती है। इसलिए माता-पिता को बच्चों में इस लक्षण पर ध्यान देना चाहिए।

बच्चों में कोरोना के गंभीर लक्षण

गंभीर मामलों में बच्चों में एक मल्टीसिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम के लक्षण दिख सकते हैं। इस स्थिति में हृदय, फेफड़े, रक्त वाहिकाओं, गुर्दे, पाचन तंत्र, मस्तिष्क, त्वचा या आंखों सहित कुछ अंगों और ऊतकों में सूजन पैदा हो सकती है। इसके लक्षाओं में शामिल हैं-

- उल्टी
- दस्त
- पेट दर्द
- त्वचा पर लाल चकत्ते
- थकान
- तेजी से सांस लेना
- आंखों का लाल होना
- लाल या सूजी हुई जीभ

बच्चों में कोरोना के ज्यादा गंभीर लक्षण

- सांस लेने में कठिनाई
- भ्रम
- सचेत रहने में असमर्थता
- त्वचा, होंठ या नाखून का रंग पीला होना
- गंभीर पेट दर्द

अपने बच्चे के बीमार होने पर उसे स्कूल भेजने से परहेज करें। भले ही उनकी बीमारी कोविड न हो। याद रहे कि एक फ्लू, एक सामान्य सर्दी और रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस (आरएसवी) एक बच्चे के लिए उतना ही चुनौतीपूर्ण हो सकता है जितना कि कोविड।

बच्चों को कोरोना से कैसे बचाएं

ध्यान रहे कि कि कोरोना के मामले कम हुए हैं लेकिन खतरा टला नहीं है। आपको बच्चों में कोरोना से जुड़े नियमों का पालन करने की आदत को बरकरार रखने की सहाल देनी चाहिए.जो बच्चा टीके के लिए पात्र है उसे टीका लगवाएं। मास्क, सामाजिक दूरी, साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

ठंडे-ठंडे पानी से नहाने के हैं फायदे

सुबह सोकर उठने पर अकसर गर्म पानी से नहाने का मन करता है। हालांकि इसके कई फायदे भी हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ठंडे पानी से नहाने के भी अपने फायदे हैं। भले ही आप किसी भी प्रकार के पानी से नहाने के बारे में कैसा भी महसूस करते हों, लेकिन शोध से पता चलता है कि गर्म और ठंडे दोनों प्रकार के पानी से नहाने के अलग स्वास्थ्य लाभ हैं। ठंडे पानी से नहाने वालों की त्वचा पर होने वाली खुजली बंद हो जाती है। वहीं ये आपको सुबह की नींद खोलने में भी मदद करता है। इससे आपको कसरत के बाद मांसपेशियों में दर्द को कम करने में फायदा मिलता है। ये संभावित रूप से वजन घटाने में मदद करता है। ठंडे पानी से नहाने से बाल और त्वचा पर चमक आती है। जैसे ही ठंडा पानी आपके शरीर को थूता है ये शरीर को और एक्टिव बनाता है। ठंडे पानी ने नहाने से आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली बढ़ सकती है और आप बीमारी के प्रति अधिक प्रतिरोधी बन सकते हैं।

हालांकि ठंडे पानी ने नहाने के नुकसान भी हैं। यदि आपको पहले से ही ठंड लग रही है तो कोल्ड शावर आपके लिए सही नहीं है। क्योंकि ठंडे तापमान में ठंडा पानी आपको किसी भी तरह से गर्म करने में मदद नहीं करेगा। यह वास्तव में आपको और भी ठंडा बना सकता है और आपके शरीर को वापस गर्म होने में लगने वाले समय को बढ़ा सकता है। यदि आप बीमार हैं, तो भी ठंडे पानी से न नहाएं। वहीं ठंडे पानी से नहाने से तनाव के स्तर में कमी आती है। नियमित रूप से ठंडे पानी से नहाना आपके शरीर पर थोड़ी मात्रा में तनाव डालता है, जिससे आपका शरीर सख्त हो जाता है और आपके शरीर पर तनाव का कम असर होता है। वहीं आपकी सतर्कता भी तेजी से बढ़ती है। ठंडे पानी में नहाने से दिमाग जल्दी सतर्क होना शुरू हो जाता है।

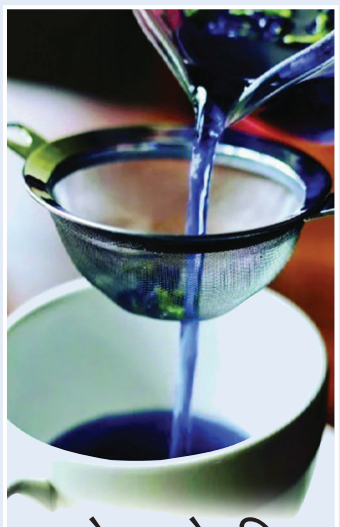

सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है ये नीली चाय

ग्रीन टी और ब्लैक टी के बारे में तो आप जानते ही हैं, और इनका सेवन भी करते ही होंगे, लेकिन क्या कभी ब्लू टी यानि नीली चाय पी है आपने? अगर नहीं पी है तो एक बार जरूर ट्राय कीजिए, क्योंकि सेहत और ब्यूटी के लिए बेहद फायदेमंद है ये नीली चाय

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर ये चाय नीली कैसे होती है, तो हम आपको बता दें कि ये चाय अपराजिता के खूबसूरत नीले फूलों को उबालकर बनाई जाती है, इसलिए इसका रंग नीला होता है। इसे बटरफ्लाई टी भी कहा जाता है। जानिए इसे बनाने की विधि और 5 गजब के फायदे -

विधि - इस चाय को बनाने के लिए आपको चाहिए, अपराजिता के नीले फूल, पानी और स्वाद अनुसार नमक, शकर या नींबू। सबसे पहले पानी उबाल लें और उसमें अपराजिता के फूल डालें। जब इसका रंग नीला हो जाए, तो इसमें नमक या शकर डालें और कुछ बूंद नींबू की डालकर छान लें। अब यह पीने के लिए तैयार है। अब जानिए इसके फायदे -

डिटॉक्स टी

आपके शरीर से अवांछित तत्वों को बाहर निकालकर ये चाय बॉडी को डिटॉक्स करती है और शरीर की आंतरिक सफाई करती है।

इम्युनिटी बूस्टर

यह एक बेहतरीन इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करती है और इम्यूनिटी को बढ़ाकर बीमारियों से आपकी रक्षा करती है।

डायबिटीज

यह नीली चाय डायबिटीज के रोगियों के लिए बेहद फायदेमंद है। यह शुगर के लेवर को मेंटेन करने में काफी मददगार होती है।

ब्यूटी बेनिफिट्स

खूबसूरती को और निखारना चाहते हैं तो नीली चाय एक बढ़िया विकल्प है। यह चेहरे के दाग, धब्बे और झाइयों को मिटाकर रंगत निखारने में सहायक है।

माइग्रेन

माइग्रेन के मरीजों के लिए सुबह इस चाय का सेवन फायदेमंद साबित हो सकता है। यह दर्द के अलावा दिमागी थकान को भी दूर करती है।

मैथीदाना के फायदे

मैथीदाने का प्रयोग आप खाने के स्वाद को बढ़ाने में करते हैं, लेकिन इसके सेहत और सौंदर्य लाभ आपको हैरत में डाल देंगे। आइए जानते हैं इनके अनमोल गुण।

- मैथीदाने का चूर्ण प्रतिदिन खाने से आपका वजन नियंत्रित रहता है और वसा की मात्रा धीरे-धीरे कम हो जाती है। इस तरह से आप अपना वजन भी कम कर सकते हैं।
- मैथीदाने का नियमित सेवन दिल की बीमारियों को भी दूर रखने में भी मदद करता है। यह दिल का दौरा पड़ने की आशंका को बेहद कम कर देता है और आप अपने हृदय को रख सकते हैं बिलकुल स्वस्थ।
- मधुमेह के मरीजों के लिए मैथीदाना बहुत फायदेमंद होता है। इसको रोज रात में भिगोकर रखने के बाद रोज सुबह चबाकर खाने से और इसके पानी के सेवन से लाभ मिलता है।
- बालों की खूबसूरती के लिए भी मैथीदाना फायदेमंद है। इसका पेस्ट बनाकर बालों में लगाने से बालों से रूखापन गायब होता है, साथ ही बाल मजबूत बनते हैं।
- चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने में भी यह मैथीदाना कुछ कम गुणवान नहीं है। इसे पीसकर चेहरे पर लगाने से त्वचा में चमक के साथ कसाव आता है। इसके अलावा रूखी त्वचा वालों के लिए यह बहुत लाभप्रद है, क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करता है।

मुंह के छालों से छुटकारा पाने के लिए जरूर अपनाएं ये घरेलू उपाय

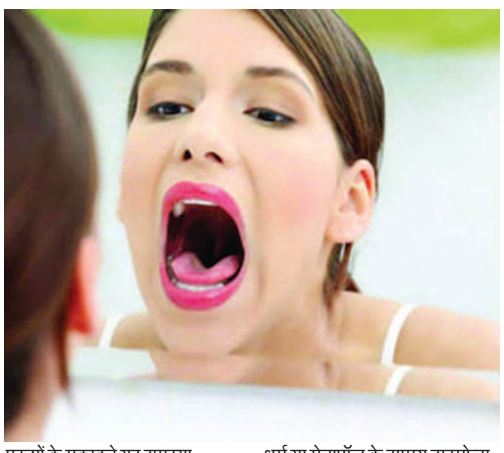

पुरूषों के मुकाबले यह समस्या ज्यादातर महिलाओं में अधिक होती है। इसका मुख्य कारण उनके हारमोन्स में अधिक उतार-चढाव आना है। यह छाले अपने आप ही कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं। इनके निकलने के कई कारण हो सकते हैं। पेट के साफ न होने और खाना खाते समय अचानक दांतों से मुंह के अंदर की झिल्ली के कट जाने से छाले हो जाते हैं। मासिक धर्म या मेनापॉज के सामय हारमोन्स में बदलाव तथा वायरस, बैक्टीरिया या फंगस संक्रमण से निकल सकते हैं। इसके अन्य कारणों में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होना, एलर्जी होना भोजन में विटामिन सी और बी12 की कमी होना आदि शामिल हैं। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी मुंह में छाले निकल सकते है।

छालो से बचाव के उपाय

खाना धीरे-धरी चबा-चबा कर खाएं। खाते समय बात न करें, ताकि दांतों से मुंह के अंदर की परत को नुकसान न पहुंचे।

- नींबू को आधा काटें, इसे छाले पर लगाएं, इससे थोडी जलन तो होगी, परंतु यह सुन्न हो जाएगा, जो अच्छा है। आखिर में थोडा शहद छाले पर लगाएं।
- शरीर की सफाई, संतुलित भोजन और पीने के साफ पानी पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है।
- कुछ दिनों तक लगातर विटामिन सी और विटामिन बी12 की गोलियां खाएं।
- माउथवाश का प्रयोग करें-कई बार कुल्ला करने से यह आपके मुख में बढने वाले जीवाणुओं को साफ करता है और इसके साथ-साथ कई मामलों में छाले में दर्द से राहत देता है। किसी बिना नुस्खा घोल का उपयोग करें, कोई भी माउथवाश इस प्रयोजन के लिए कार्यकारी है। सुबह और शाम कुल्ला करें और हो सके तो दिन के खाने के बाद भी कुल्ला करें।

कमर दर्द से छूटकारा पाने के लिए जरूर अपनाए ये घरेलू उपाय

आजकल ज्यादातर लोगों में कमर दर्द की समस्या बढ़ती जा रही है जिसकी चपेट में बड़ी उम्र के लोग ही नहीं, बल्कि युवा के लोग भी आ रहे है। कमर दर्द के होने का मुख्य कारण बदलती जीवनशैली के साथ ऑफिस में घंटों गलत पॉश्चर बैठे रहना है। यह समस्या अब न केवल उम्र से जुड़ी है बल्कि इससे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी भी तकलीफदेह साबित हो रही है।

कमर दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप कई तरह के घरेलू उपचार करते है लेकिन इसका प्रभाव मात्र कुछ समय के लिए ही रहता है। आइए आज हम आपको कुछ घरेलू उपायों के बारे में बता रहे है जिसे अपनाने से जल्दी ही छुटकारा पा सकती है। कमर दर्दकमर दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप एक खडाई में सरसो का तेल डालकर उसमें लहसुन की तीन-चार कलियॉ के साथ अजवाइन को डालकर गर्म कर लें। ठंडा होने पर इस तेल से कमर की मालिश करें। इस उपाय से आपको जल्द ही राहत मिलेगी। कढ़ाई में दो-तीन चम्मच नमक डालकर इसे अच्छी तरह से गर्म कर लें। अब इस गर्म नमक को किसी सूती कपड़े में बांधकर पोटली बना लें। और इस पोटली से कमर की सिकाई करें काफी जल्द ही आराम मिलने लगेगा। ऑफिस में काम करते समय ज्यादा देर तक एक ही पोजीशन में ना। हर चालीस मिनट में अपनी कुर्सी से उठकर थोड़ी देर टहल लें। कैल्शियम की कम मात्रा से भी हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, जो कमर के दर्द का प्रमुख कारण बनती है इसलिए कैल्शियमयुक्त चीजों का सेवन करें। अजवाइन को तवे पर डालकर धीमी आंच पर सेंके और ठंडा होने पर धीरे-धीरे चबाते हुए निगल जाएं। इसके नियमित सेवन से कमर दर्द में लाभ मिलता है।

हलवा देता है पौष्टिक फायदे

- सूजी का हलवा बना रहे हैं तो सूजी के दाने थोड़े मोटे ही लें, एकदम बारीक नहीं। यह पाचन तंत्र के लिए बेहतर होता है।
- अगर आटे का हलवा बना रहे हैं तो ध्यान रखें कि आटा जरा मोटा पिसा हुआ हो, ये चिपकेगा नहीं और स्वाए व पाचन दोनों के लिए अच्छा रहेगा।
- अगर नुकसान से बचना चाहते हैं, तो डालडा या बाजार के घी के बजाए देसी घी या गाय के शुद्ध घी का प्रयोग करें। देशी घी में बना हलवा त्रिदोषों का संतुलन करता है।
- हलवे को सूर्योदय के पहले उठकर मुंह धोकर पकाते हुए तुरंत गर्मा-गरम खाना चाहिए।
- हलवा ठंडा करके न खाएं, इसे गर्मागर्म ही परोसें ताकि सिरदर्द या न्यूरो वेस्कुलर डिसआर्डर जैसी समस्याओं में फायदा मिल सके।
- हलवा खाने के तुरंत या कुछ देर बाद तक भी ठंडा पानी न पिएं, वरना आप इसके फायदों को नहीं पा सकेंगे। आधे घंटे बाद ही पानी पिएं।
- हलवा पचने में बहुत हल्का होता है, इसलिए इसे सर्जरी के बाद, प्रसव के बाद, कमजोरी में, बीमारी से उबरने में और कम वजन वाले लोगों को भी दिया जा सकता है।
- हलवे में केसर, इलायची और थोड़े से सूखे मेवों का प्रयोग किया जा सकता है।
- देशी घी में बना हलवा त्रिदोषों का संतुलन करता है और हमें स्वस्थ बनाता है।
- शकर की जगह गुड़ का प्रयोग करेंगे, तो स्वाद और सेहत दोनों के फायदे पा सकेंगे। अगर आपको शकर ही डालना है, तो ब्राउन शुगर भी यूज कर सकते हैं।

नोट : मधुमेह रोगियों को इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया तेजी के साथ बंद हुआ। गुरुवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 15 पैसे ऊपर आकर 76.15 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया मजबूती के साथ 76.28 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान रुपया 76.36 से 76.09 प्रति डॉलर के बीच में रहने के बाद अंत में 76.15 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ। यह पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में 15 पैसे की मजबूती को दिखाता है। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी के बाहर जाने से रुपये में बढ़त सीमित रही है। इसी बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.43 फीसदी के साथ ही 99.98 पर कारोबार कर रहा था।

श्रीराम प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष में 19 प्रतिशत की वृद्धि के रिकॉर्ड 1,482 करोड़ रुपये पर पहुंची

नई दिल्ली । भवन निर्माण के क्षेत्र में कार्यरत रियल्टी कंपनी श्रीराम प्रॉपर्टीज लिमिटेड की बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष में 19 प्रतिशत की वृद्धि के रिकॉर्ड 1,482 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। कंपनी ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि बेहतर मांग की वजह से उसकी बिक्री बुकिंग बढ़ी है। कंपनी ने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष में मात्रा और मूल्य के हिसाब से अपनी सबसे अधिक बिक्री दर्ज की है। वित्त वर्ष 2021-22 में बिक्री की मात्रा पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 37.6 लाख वर्ग फुट के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गई। वित्त वर्ष 2021-22 में कुल बिक्री मूल्य 1,482 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो साल-दर-साल आधार पर 19 प्रतिशत अधिक है। ग्राहकों से कंपनी का कुल संग्रह भी वित्त वर्ष 2021-22 में 1,263 करोड़ रुपये के उच्चस्तर पर था, जो साल-दर-साल आधार पर 37 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2021-22 में निर्माण पर कंपनी का खर्च 644 करोड़ रुपये था, जो सालाना आधार पर 157 प्रतिशत है। श्रीराम प्रॉपर्टीज लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक एम मुरली ने कहा, हम तिमाही के दौरान सभी प्रमुख परिचालन मानकों पर निरंतर मजबूत प्रदर्शन से उत्साहित हैं। आने वाले वर्षों में हमें अधिक लाभ और प्रतिफल मिलने की संभावना है।

फियो ने वाणिज्य मंत्रालय से समिति गठन का अनुरोध किया

नई दिल्ली । भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने वाणिज्य मंत्रालय से एक समिति के गठन का अनुरोध किया है जो देश के आयात रूझानों का आकलन करे और उत्पादों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दे जिससे कि व्यापार घाटा कम हो सके। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में 20 अप्रैल को हुई बैठक में फियो के अध्यक्ष ए शक्तिवेल ने यह मुद्दा उठाया। शक्तिवेल ने कहा कि आयात में वृद्धि और बढ़ते व्यापार घाटे के मद्देनजर एक समिति का गठन किया जा सकता है जो आयात के रूझानों का आकलन करे और ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन दे। उन्होंने मंत्रालय से अनुरोध किया कि निर्यातकों के लिए संशोधित परिवहन एवं विपणन सहायता (टीएमए) योजना लाई जाए। यह योजना पिछले महीने खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि योजना का समापन होने से कृषि निर्यातकों को झटका पहुंचा है क्योंकि उनमें से ज्यादातर के छोटे व्यवसाय हैं। सेवा निर्यात संवर्धन परिषद के महानिदेशक अभय सिन्हा ने इस बैठक में कहा चालू वित्त वर्ष में सेवा निर्यात का लक्ष्य 300 अरब डॉलर से बढ़ाकर 350 अरब डॉलर किया गया है। 2021-22 में 250 अरब डॉलर का सेवा निर्यात हुआ था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में यह तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज , इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लिमिटेड के शेयरों में उछाल से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 874.18 अंक करीब 1.53 फीसदी ऊपर आकर 57,911.68 अंक पर बंद हुआ जबकि कारोबार के दौरान एक समय यह 954.03 अंक तक ऊपर आया था।

वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 256.05 अंक तकरीबन 1.49 फीसदी की बढ़त के साथ ही 17,392.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के तीस शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी, टीसीएस, सन फार्मा, इन्फोसिस और इंडसइंड बैंक लाभ में रहे जबकि टाटा स्टील, नेस्ले और भारती एयरटेल के शेयरों को नुकसान हुआ। इससे पहले गत दिवस बुधवार को भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

नेस्ले इंडिया का मुनाफा एक फीसदी घटकर 594.71 करोड़

नई दिल्ली । एफएमसीजी क्षेत्र की कंपनी नेस्ले इंडिया ने बताया कि लागत बढ़ने के कारण मार्च 2022 में समाप्त तिमाही के दौरान उसका मुनाफा 1.25 प्रतिशत घटकर 594.71 करोड़ रुपए रह गया। कंपनी ने इससे पिछले वर्ष की समान अवधि में 602.25 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था। गौरतलब है कि कंपनी वित्त वर्ष के रूप में जनवरी- दिसंबर का अनुसरण करती है। नेस्ले इंडिया ने शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी बिक्री 9.74 फीसदी बढ़कर 3,950.90 करोड़ रुपए हो गई जो पिछले वर्ष समान अवधि में 3,600.20 करोड़ रुपए थी। कंपनी ने बताया कि जनवरी से मार्च तिमाही के दौरान उसका कुल खर्च 12.98 प्रतिशत बढ़कर 3,195.90 करोड़ रुपए हो गया, जो इससे पिछले साल की इसी अवधि में 2,828.61 करोड़ रुपए था। नेस्ले इंडिया की घरेलू स्तर पर बिक्री 10.23 फीसदी बढ़कर 3,794.26 करोड़ रुपए हो गई जो पिछले वर्ष समान अवधि में 3,442.03 करोड़ रुपए थी और निर्यात 0.96 फीसदी की गिरावट के साथ 156.64 करोड़ रुपए रहा जो पिछले वर्ष समान अवधि में 158.17 करोड़ रुपए था।

भारत की उच्च वृद्धि दर दुनिया के लिए सकारात्मक है: आईएमएफ

वाशिंगटन।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालीना जॉर्जीवा ने कहा कि भारत की उच्च वृद्धि दर केवल देश के लिए ही नहीं बल्कि यह दुनिया के लिए भी बहुत ही अच्छी खबर है। उन्होंने कहा कि यह हालिया विश्व अर्थव्यवस्था परिदृश्य के अनुरूप है। आईएमएफ ने पिछले दिनों 2022 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। इस अनुमान के साथ भारत दुनिया में तीव्र वृद्धि वाली बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश होगा। भारत की वृद्धि दर चीन की 4.4 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में लगभग दोगुनी होगी। मुद्राकोष ने यहां जारी सालाना विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा था कि वैश्विक वृद्धि दर चालू वर्ष में 3.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह 2021 के 6.1 प्रतिशत से काफी कम है। आईएमएफ और विश्व बैंक की सालाना वसंत बैठकों से इतर एक संवाददाता सम्मेलन में जॉर्जीवा ने कहा कि भारत उन अर्थव्यवस्थाओं में से एक है जो उच्च दर से बढ़ रही हैं। इस वर्ष के लिए वृद्धि दर 8.2 फीसदी का अनुमान लगाया गया है जो पिछले वर्ष के मुकाबले कुछ कम जरूर है लेकिन यह भारत के लिए बढ़िया है और विश्व के लिए भी सकारात्मक है। दरअसल विश्व के लिए वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ना एक बड़ी समस्या खड़ी कर रहा है। जॉर्जीवा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के साथ भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा यह देश डिजिटल मुद्रा के क्षेत्र में भी आगे है।

...अब अंबानी के शेयरों में उछाल, आरआईएल के स्टॉक रिकॉर्ड हाई के स्तर पर पहुंचे

नई दिल्ली ।

देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों में शुमार भारत की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में दो दिन से तेजी का माहौल है। बीएसई पर पिछले दो दिनों में यह स्टॉक करीब 7 फीसदी चढ़ चुका है। बुधवार को भी रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) के स्टॉक में 3 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। इसके दम पर मुकेश अंबानी की कंपनी के शेयर का भाव अपने रिकॉर्ड हाई के करीब पहुंच चुका है। बुधवार के कारोबार में भी पूरे समय रिलायंस इंडस्ट्रीज का स्टॉक ग्रीन में रहा। इसने आज बढ़त के साथ 2,655.75 रुपये पर कारोबार की शुरुआत की। कारोबार के दौरान एक समय इसका भाव करीब 3.50 फीसदी चढ़कर 2,733.65 रुपये तक पहुंच गया। बुधवार का कारोबार समाप्त होने से पहले हल्के करेक्शन के बाद अंततः यह स्टॉक 3.03 फीसदी चढ़कर 2,718.40 रुपये पर बंद हुआ था। इससे पहले मंगलवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज के स्टॉक भाव में करीब 3.50 फीसदी की तेजी देखने को मिली थी। मंगलवार का कारोबार समाप्त होने के बाद आरआईएल का स्टॉक बीएसई पर 2,638.45 रुपये पर बंद हुआ था। आरआईएल का शेयर पिछले साल 19 अक्टूबर को 2,750 रुपये के रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ था। अभी फिर से स्टॉक का भाव रिकॉर्ड हाई के करीब पहुंच चुका है। अभी कंपनी का एमकैप बढ़कर 18,38,978।03 करोड़ रुपये पर पहुंच चुका है। रिलायंस इंडस्ट्रीज जल्दी ही मार्च तिमाही का फाइनेंशियल रिजल्ट जारी करने वाली है। एनालिस्ट अनुमान लगा रहे हैं कि रिलायंस इंडस्ट्रीज का फाइनेंशियल रिजल्ट बंपर रहने वाला है। कुछ एनालिस्ट का अनुमान है कि रिलायंस का कंसोलिडेटेड इंबीआईटीडीए 66.3 फीसदी बढ़कर 38,824 करोड़ रुपये रह सकता है। कंपनी को ऑयल और केमिकल बिजनेस से बढ़िया मुनाफा होने की उम्मीद है। इसके साथ ही डिजिटल सर्विसेज से भी काफी उम्मीदें लगी हुई हैं। इसी उम्मीद में इन्वेस्टर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर खरीद रहे हैं।

पैकेट बंद 'जंक फूड' पर 'चेतावनी का निशान' चाहते हैं 10 में से 7 भारतीय: सर्वे में सामने आई बात

(एजेंसी)

ज्यादा वसा, चीनी और नमक वाले पैकट बंद खाद्य पदार्थों पर 10 में से सात भारतीय 'चेतावनी का निशान' दर्शाए जाने के पक्ष में हैं। एक नए सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। एक सामुदायिक सोशल मीडिया मंच 'लोकल सर्कल्स' द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि 11,439 उपभोक्ताओं में से 31 प्रतिशत ऐसे पैकेट बंद उत्पादों पर 'चेतावनी के लाल संकेत' के पक्ष में हैं। वहीं 39 प्रतिशत ने कहा कि लाल संकेत के अलावा, 'स्वस्थ उत्पादों पर एक हरा या नारंगी निशान होना चाहिए' जबकि 20 प्रतिशत ने कहा कि प्रत्येक उत्पाद की सामग्री के आधार पर एक स्टार रेटिंग होनी चाहिए। सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाले केवल आठ प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उपरोक्त में से किसी की भी आवश्यकता नहीं है, पैकेट बंद खाद्य उत्पादों को बिना किसी चेतावनी या संकेत के बेचा जाना जारी रखना चाहिए। पिछले दो दशकों में भारतीयों में 'जंक फूड' (अस्वास्थ्यकर भोज्य सामग्री), विशेष रूप से पैकेट बंद और प्रसंस्कृत खाद्य सामग्री की खपत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है क्योंकि इनमें से अधिकांश खाद्य पदार्थों में उच्च मात्रा में चीनी या नमक और खराब वसा वाले तत्व होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप मोटापा जैसे गैर-संचारी रोग (एनसीडी) में वृद्धि के साथ-साथ मधुमेह और हृदय रोग जैसी स्थितियों में भी वृद्धि होती है। ऐसा अनुमान है कि भारत में हर साल लगभग 58 लाख लोग एनसीडी के कारण मर जाते हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है कि इस तेजी से बढ़ती समस्या के निराकरण के लिए नियमन एक समाधान है, जो उपभोक्ताओं को प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का उपभोग करने की योजना बनाते समय विकल्प तय करने में मदद करेगा। इसमें कहा गया कि लोगों को पैकेट बंद और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और नमक, चीनी, वसा (एचएफएसएस) की उच्च मात्रा वाले खाद्य पदार्थों के बीच अंतर करने में सक्षम होना चाहिए। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने पैकेट बंद खाद्य उत्पादों के लिए हेल्थ स्टार रेटिंग (एचएसआर) शुरू करने की योजना का प्रस्ताव किया है। पांच सितारा पैमाने पर एचएसआर दर वाले खाद्य पदार्थ ऊर्जा, संतृप्त वसा, सोडियम, कुल चीनी, और प्रोटीन जैसे स्वस्थ पहलुओं और प्राकृतिक अवयवों जैसे कारकों पर आधारित होते हैं। उपभोक्ता कार्यकर्ता समूहों और खाद्य विशेषज्ञों की आलोचना के बावजूद, नियामक ने पैकेट बंद खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों के लिए एक नयी स्टार रेटिंग प्रणाली के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया है। उपभोक्ता अधिकार कार्यकर्ता समूहों ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य से समझौता करते हुए इस तरह की प्रणाली में उद्योग द्वारा आसानी से हेरफेर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 'पोषण संबंधी जानकारी' हालांकि उत्पाद के बारे में कुछ विचार प्रदान करती है, लेकिन यह उपभोक्ताओं को एक स्वस्थ विकल्प के संबंध में मदद नहीं करती है।

5जी पर तय कार्यक्रम के मुताबिक आगे बढ़ रही हैं चीजें: वैष्णव

नयी दिल्ली,

संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि 5जी पर चीजें तय कार्यक्रम के मुताबिक आगे बढ़ रही हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण और नीलामी के तौर-तरीकों पर सिफारिशें जारी की थीं। वैष्णव की टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय बाजार अगली पीढ़ी की 5जी सेवाओं के लिए कमर कस रहा है। 5जी के जरिये अत्यधिक उच्च गति वाली सेवाओं की पेशकश की जा सकेगी। उम्मीद है कि 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी जून-जुलाई में होगी। वैष्णव से ट्राई की हालिया 5जी सिफारिशों और दूरसंचार विभाग के अगले कदम के बारे में पूछा गया था। उन्होंने कहा, ''चीजें सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। 5जी पर चीजें तय कार्यक्रम के मुताबिक चल रही हैं।'' उन्होंने 'फिनक्लूवेशन' कार्यक्रम के मौके पर 5जी सिफारिशों पर कोई विशेष टिप्पणी करने से इनकार किया और कहा, ''कृपया कुछ और हफ्तों तक प्रतीक्षा करें। मुझे लगता है कि हम अच्छे समाधान के साथ आएंगे।'' ट्राई ने बीते दिनों 5जी सेवाओं को लेकर 30 साल से अधिक समय के लिये विभिन्न बैंड में 7.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा मूल्य के स्पेक्ट्रम नीलामी की सिफारिश की थी। नियामक ने मोबाइल सेवाओं के लिये स्पेक्ट्रम बिक्री के लिये जिस कीमत की सिफारिश की है कि वह आरक्षित या आधार मूल्य से 39 प्रतिशत कम है। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के संगठन भारतीय सेल्युलर ऑपरेटर संघ (सीओएआई) ने स्पेक्ट्रम कीमतों में कटौती के बारे में ट्राई की सिफारिशों पर गहरी निराशा जताते हुए कहा कि सुझाई गई कीमतें भी बहुत ज्यादा हैं।

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 2021-22 में 13.5 गीगावॉट बढ़ी

नयी दिल्ली,

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 2021-22 में 13.5 गीगावॉट बढ़ गई जो 2020-21 के मुकाबले 128 प्रतिशत अधिक है। परामर्श कंपनी 'ब्रिज टू इंडिया' ने एक बयान में कहा कि 2021-22 में भारत की यूटीलिटी स्केल (10 मेगावॉट से अधिक) सौर क्षमता 10.21 गीगावॉट और बढ़ गई, पवन ऊर्जा क्षमता 1.11 गीगावॉट बढ़ी और छतों पर लगाए जाने वाले सौर ऊर्जा पैनलों (रूफटॉप सोलर कैपेसिटी) के जरिये क्षमता 2.22 गीगावॉट बढ़ी। बीते एक साल में कुल जितनी क्षमता बढ़ी उसमें से 61 फीसदी राजस्थान (5,806 मेगावॉट) और गुजरात (2,469 मेगावॉट) ने जोड़ी। लघु पनबिजली और बायोमास को छोड़कर नवीकरणीय क्षेत्र की कुल क्षमता 96,223 मेगावॉट पर पहुंच गई। ऊर्जा उत्पादन में नवीकरणीय ऊर्जा की कुल हिस्सेदारी 2020-21 के 10 प्रतिशत से बढ़कर 2021-22 में 12.82 फीसदी हो गई। ब्रिज टू इंडिया के प्रबंध निदेशक विनय रस्तोगी ने कहा, ''नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र ने विविध प्रकार की चुनौतियों के बावजूद गजब का जुझारूपन दिखाया।''

मार्च के अंत तक पी-नोट्स के जरिये निवेश घटकर 87,979 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली,

भारतीय पूंजी बाजार में पार्टिसिपेटरी नोट्स (पी-नोट्स) के जरिये निवेश मार्च, 2022 के अंत तक घटकर 87,979 करोड़ रुपये रह गया।

विशेषज्ञों के मुताबिक, विदेशी निवेशक घरेलू बाजार में निवेश के लिए सतर्क रुख अपनाना जारी रखेंगे। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष पंजीकृत पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाप्रदाता ग्रीन पोर्टफोलियो के संस्थापक दिवम शर्मा ने कहा, ''हम आने वाले महीनों में वैश्विक बाजारों से कम निवेश देखेंगे, जिससे कुछ महीनों के लिए पी-नोट्स की भागीदारी में दबाव बना रहेगा।''

उन्होंने कहा, ''हालांकि, हमारा मानना है कि भारत पर इसका खास प्रभाव नहीं पड़ेगा और विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं हमारे साथ व्यापारिक साझेदारी करने की तरफ देख रही हैं।'' पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा पी-नोट्स उन निवेशकों को जारी किए जाते हैं, तो बिना पंजीकरण के भारतीय पूंजी बाजारों में निवेश करना चाहते हैं। हालांकि, इसके लिए उन्हें पूरी जांच-परख की प्रक्रिया को पूरा करना होता है। सेबी के आंकड़ों के अनुसार भारतीय बाजारों में पी-नोट्स निवेश का मूल्य (इक्विटी, ऋण और हाइब्रिड प्रतिभूतियां) मार्च के अंत तक 87,979 करोड़ रुपये था, जबकि फरवरी के अंत में यह आंकड़ा 89,143 करोड़ रुपये था। इसी तरह जनवरी, 2022 के अंत में पी-नोट्स निवेश का स्तर 87,989 करोड़ रुपये था। वहीं मार्च के अंत तक पी-नोट्स के जरिये हुए कुल 87,979 करोड़ रुपये के निवेश में से 78,233 करोड़ रुपये शेयरों में लगाए गए। इसके अलावा 9,593 करोड़ रुपये ऋण या बांड और 153 करोड़ रुपये हाइब्रिड प्रतिभूतियों में डाले गए।

दुबई में ईद के अवकाश के चलते हवाई टिकटों के दामों में इजाफा

-सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे भारतीय

दुबई ।

यूएई में 1 से 5 मई तक के लिए मुस्लिमों के पवित्र त्योहार ईद उल-फ़ित्र के अवकाश की घोषणा हुई है, जिसके बाद अदिकांश लोग घूमने की योजना बना रहे हैं। इस कारण कई जगहों पर विमान के किराए में 40 से 60 फीसदी तक की वृद्धि हुई है। इस बढ़े किराए का सबसे ज्यादा बोझ भारतीयों पर पड़ने वाला है। भारत के साथ-साथ यूएई से पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल जाने वाले विमानों का किराया भी बढ़ा है। इन देशों के लिए फ्लाइट टिकट 25,000 से लेकर 42,000 रुपए तक है। सामान्य दिनों में यह किराया करीब 17-30 हजार रुपए तक होता है। वहीं फिलीपींस जैसी जगहों के लिए हवाई किराए की तुलना करें तो वह फरवरी और मार्च के महीने से भी कम है। इसके साथ ही श्रीलंका के लिए भी विमान का किराया बेहद कम है। डीरा ट्रैवल एंड टूरिस्ट एजेंसी के जीएम ने बताया कि श्रीलंका का किराया वहां जारी आर्थिक संकट के कारण कम है। उन्होंने कहा, श्रीलंका को छोड़ कर लगभग सभी जगहों के किराए में 40 से 60 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस दौरान त्योहार भी हैं। पर्यटकों की आवाजाही लगभग महामारी से पहले के स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा, यात्रियों की जितनी डिमांड है उतने विमान नहीं है, इस कारण टिकटों के दाम बढ़े हैं। ओमान और सऊदी अरब के लिए भी किराए बढ़े हैं। यूके और जॉर्जिया के टिकट के दाम भी बढ़े हैं। बढ़े किराए की बात करें तो दुबई से मुंबई के लिए 1 से 6 मई तक का किराया लगभग 28,500 रुपए है। वहीं, शारजाह से मुंबई का किराया 28,000 रुपए है। दुबई से कोच्चि का किराया करीब 42,000 रुपए है। ट्रैवल एजेंट्स ने बताया कि दक्षिण भारतीय राज्यों जैसे केरल के लिए किराए बहुत ज्यादा हैं। ईद की छुट्टी के दौरान कोच्चि, कोझिकोड, कन्नूर और तिरुवनंतपुरम जैसे हवाई अड्डों के लिए टिकट करीब 40,000 रुपए से ऊपर है। दिल्ली, लखनऊ और कानपुर के लिए भी किराया ज्यादा है। पाकिस्तान के लिए विमान टिकटों के दाम भी बढ़े हैं। शारजाह से कराची के लिए टिकट का दाम 19460 भारतीय रुपया है। दुबई से कराची और लाहौर के लिए भी किराया लगभग 24 हजार से 26 हजार के करीब है।

दिल्ली कैपिटल्स बनाम राजस्थान रॉयल्स : कुलदीप और चहल के बीच होगा फिरकी का मुकाबला

मुंबई। (एजेंसी)।

आत्मविश्वास से ओतप्रोत राजस्थान रॉयल्स का सामना आईपीएल के मैच में शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स से होगा तो नजरें फिरकी के जादूगरों युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव के हुनर पर लगी होंगी। ओरेंज कैपधारी जोस बटलर (375 रन) और परपल कैपधारी चहल (17 विकेट) के फॉर्म को देखते हुए रॉयल्स इस सत्र की सबसे मजबूत टीमों में से एक बन गई है। शिमरोन हेटमायेर को छोड़कर मध्यक्रम में कोई चल नहीं सका लेकिन इसकी कमी रॉयल्स को खल नहीं रही है। दूसरी ओर दिल्ली के खेमे में कोरोना संक्रमण का साया है लेकिन इसके बावजूद टीम ने पिछले मैच में पंजाब किंग्स को हराया।

कलाई के स्पिनर कुलदीप 13 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर है और बटलर को अच्छी चुनौती पेश करेंगे। कुलदीप, अक्षर पटेल और ललित यादव की कोशिश रनगति पर अंकुश लगाने की होगी लेकिन बल्लेबाजों की मददगार वानखेड़े की पिच पर बटलर को रोकना उनका प्रमुख एजेंडा होगा। वहीं चहल के लिये चुनौती डेविड वॉर्नर के बल्ले पर अंकुश लगाने की होगी। पृथ्वी साव और कप्तान ऋषभ पंत को भी रन बनाने से रोकना होगा। पिछले पांच साल में 'कुल चा' ने काफी उतार चढ़ाव देखे हैं जिनकी 2017 से 2019 के बीच तूती बोलती थी। चहल को पिछले टी20 विश्व कप की टीम से बाहर कर दिया गया था जबकि कुलदीप भी खराब फॉर्म के कारण रणनीति से बाहर हो गए थे। उन्हें राष्ट्रीय टीम प्रबंधन और पिछली आईपीएल टीम (केकेआर) से सहयोग नहीं मिला और वह घुटने की चोट का भी शिकार हो गए। अब दोनों के चेहरों पर मुस्कान लौटी है और तरकश में कई तीर भी। दिल्ली के पास मुस्ताफिजूर रहमान और खलील अहमद के रूप में भी चतुर तेज गेंदबाज हैं जो रियान पराग और संजू सैमसन को परेशान कर सकते हैं।

दूसरी ओर रॉयल्स के पास डैथ ओवरों में वेस्टइंडीज के ओबेद मैकॉय जैसा गेंदबाज है जिसने केकेआर के खिलाफ शानदार आखिरी ओवर डाला था। पिछले मैच में आईपीएल में पदार्पण करने वाले मैकॉय को गेंदबाजी में लंबे कद का फायदा मिल रहा है। इससे दिल्ली के बल्लेबाजों के लिये वह परेशानी का सबब बन सकते हैं। रॉयल्स की तरह ही मध्यक्रम की बल्लेबाज दिल्ली की भी चिंता का विषय है जिसके पास पंत के अलावा ऐसा कोई बल्लेबाज नहीं है जो गेंदबाजों की बखिया उधेड़ सके। मनदीप सिंह चल नहीं सके और सरफराज खान भी प्रतिभा के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिये भारतीय महिला टीम तुर्की रवाना

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन की अगुवाई में भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों के लिए विशेष अभ्यास शिविर में भाग लेने के लिये गुरुवार तड़के तुर्की रवाना हुई। विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप छह से 21 मई के बीच इस्ताम्बुल में आयोजित की जाएगी।

भारतीय टीम इससे पहले इस्ताम्बुल में ही पांच मई तक अभ्यास शिविर में भाग लेगी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ की यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार भारतीय टीम शिविर में कजाकस्तान, तुर्की, अल्जीरिया, पनामा, लिथुआनिया, मोरक्को, बुल्गारिया, सर्बिया, डोमिनिका गणराज्य और आयरलैंड जैसे देशों के मुक्केबाजों के साथ अभ्यास करेगी।

विश्व चैंपियनशिप के लिये भारतीय महिला टीम इस प्रकार है =

नीतू (48 किग्रा), अनामिका (50 किग्रा), निकहत जरीन (52 किग्रा), शिक्षा (54 किग्रा), मनीषा (57 किग्रा), जैस्मीन (60 किग्रा), परवीन (63 किग्रा), अंकुशिता (66 किग्रा), लवलीना (70 किग्रा), स्वीटी (75 किग्रा), पूजा रानी (81 किग्रा), नंदिनी (81 किग्रा से अधिक)।

चोटिल एडम मिल्ने की जगह मथीशा पथिराना चेन्नई सुपर किंग्स में हुए शामिल

मुंबई। (एजेंसी)।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने गुरुवार को चोटिल एडम मिल्ने की जगह श्रीलंका के युवा तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग के बाकी सत्र के लिए अपने टीम में शामिल किया।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मिल्ने को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 26 मार्च को सुपरकिंग्स के पहले मैच के दौरान पैर की मांसपेशियों में चोट लगी थी। यह सत्र का पहला मुकाबला भी था। चोट लगने के तीन हफ्ते बाद वह टूर्नामेंट बाहर हो गए हैं। उन्नीस साल के तेज गेंदबाज पथिराना 2020 और 2022 में श्रीलंका की अंडर-19 विश्व कप टीम का हिस्सा थे। आईपीएल ने बयान में कहा, ''वह 20 लाख रुपये के आधार मूल्य पर चेन्नई सुपरकिंग्स से जुड़ेंगे।

विजडन के शीर्ष पांच खिलाड़ियों में भारत के रोहित , बुमराह शामिल

लंदन (एजेंसी)।

विजडन ने अपने वर्ष के पांच क्रिकेटरों में भारत के भी दो खिलाड़ियों कप्तान रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को शामिल किया है। इन दोनो के अलावा न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे , इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिनसन और दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेटर डेन वान नीकर्क भी शीर्ष पांच खिलाड़ियों में शामिल हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट और दक्षिण अफ्रीकी महिला टीम की बल्लेबाज लिजेले ली को अग्रणी पुरुष और महिला क्रिकेटर चुना गया है।

वहीं पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को साल का टी20 क्रिकेटर चुना गया है। बुमराह ने पिछले सत्र में इंग्लैंड दौरे पर शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने ओवल मैदान पर शानदार गेंदबाजी कर भारतीय टीम को 2-1 से बढ़त दिलाई। वहीं रोहित ने चार टेस्ट में 368 रन बनाए थे। उन्होंने ओवल पर 127 रनों की पारी खेली थी।

रूट ने पिछले साल 1708 रन बनाए जो क्रिकेट इतिहास में एक वर्ष में तीसरा सर्वाधिक टेस्ट रनों का रिकॉर्ड है। लिजेले ने साल 2021 में एकदिवसीय क्रिकेट में 90 से ऊपर की औसत से रन बनाए हैं जिसमें भारत के खिलाफ श्रृंखला में चार पारियों में 288 रन भी शामिल हैं जबकि रिजवान ने साल 2021 में 27 टी20 में 1329 रन बनाए।

ऑरेंज और पर्पल कैप पर रास्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों का कब्जा

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में ऑरेंज और पर्पल कैप अब तक राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों के पास ही है। सबसे ज्यादा रन बनाने के कारण राजस्थान के बल्लेबाज जोस बटलर ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं उनका करीब मुकाबला लोकेश राहुल ओर फाफ डु प्लेसी से हैं। वहीं अब तक सबसे ज्यादा विकेट लेने के कारण युजवेंद्र चहल पर्पल कैप के सबसे बड़े दावेदार बनकर सामने आये हैं, उन्हें कुलदीप यादव और टी नटराजन से कड़ी टक्कर मिलती दिख रही है।

पहली वनडे सीरीज के लिए नीदरलैंड्स के दौरे पर जाएगी पाकिस्तान क्रिकेट टीम

लाहौर। आगामी अगस्त महीने में नीदरलैंड्स पाकिस्तानी टीम की मेजबानी करेगा। दोनों देशों के बीच तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। दोनों देशों की बीच यह सीरीज जून 2020 में ही खेली जानी थी, लेकिन कोरोना के चलते इसे टाल दिया गया था। दोनों देशों के बीच होने वाली यह सीरीज वर्ल्ड कप सुपर लीग का हिस्सा होगी। यह सीरीज दोनों देशों के बीच पहली एकदिवसीय सीरीज होगी। तीनों मैच 16,18 और 21 अगस्त को वीओसी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जाएंगे। इससे पहले दोनों ही टीमें विश्व कप में दो (1996 और 2003) और चैम्पियंस ट्रॉफी (2002) में एक बार भिड़ चुकी हैं। पाकिस्तान ने इन तीनों ही मुकाबलों में जीत दर्ज की थी। पीसीबी के निदेशक जाकिर खान ने सीरीज को पुनर्निर्धारित करने में सहयोग देने के लिए नीदरलैंड्स क्रिकेट बोर्ड के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह नीदरलैंड्स में क्रिकेट विकास और 2023 विश्व कप के मद्देनजर दोनों ही टीमों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। जाकिर ने कहा, 'हमारी पुरुषों की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का 2021-22 सीजन शानदार रहा और मुझे विश्वास है कि वह अच्छे क्रिकेट के साथ प्रवासी पाकिस्तानियों और डच दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। यह श्रृंखला केएनसीबी को खेल के प्रति नए और युवा दर्शकों को आकर्षित करने में भी मदद करेगी।'

मैच से पहले काफी अनिश्चितता थी लेकिन टीम का पूरा ध्यान मुकाबले पर था: पंत

मुबई (एजेंसी)।

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को यहां पंजाब किंग्स पर जीत दर्ज करने के बाद कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच शुरू होने से पहले कोविड-19 मामला सामने आने से काफी अनिश्चितता बनी हुई थी कि यह खेला जायेगा या नहीं। पंत ने अपने तीनों स्पिनरों के प्रदर्शन की प्रशंसा की जिनकी बदौलत टीम पंजाब किंग्स को 115 रन के स्कोर पर समेटने में सफल रही। साथ ही उन्होंने सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर (नाबाद 60) और पृथ्वी साव के प्रदर्शन की भी तारीफ की जिनकी मदद से टीम ने 10.3 ओवर में नौ विकेट की आसान जीत दर्ज की। दिल्ली कैपिटल्स के टिम सिफर्ट को सुबह हुई कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया था जिसके कारण मैच के आयोजन पर संदेह बन गया था। पंत ने मैच के बाद कहा, ''कोविड को लेकर काफी संदेह बना हुआ था।खिलाड़ी भी संदेह में थे। हम थोड़े नर्वस भी थे क्योंकि बात चल रही थी कि इसे रद्द भी किया जा सकता है। लेकिन हमने बतौर टीम बात की और पूरा ध्यान मैच पर लगाया। '' वार्नर के अर्धशतक और साव (41) के साथ पहले विकेट के लिये 83 की साझेदारी से टीम ने आसानी से यह छोटा सा लक्ष्य हासिल कर लिया। उन्होंने वार्नर और साव के बारे में कहा, ''ज्यादातर मैं उन्हें खुलकर खेलने देता हूं क्योंकि वे अपनी भूमिकायें जानते हैं। '' पंत ने गेंदबाजों के बारे में कहा, ''पिच से स्पिनरों को मदद मिल रही थी और हमारे तीनों स्पिनरों ने शानदार गेंदबाजी की। '' मैन ऑफ द मैच कुलदीप यादव रहे जिन्होंने 24 रन देकर दो विकेट चटकाये। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार अक्षर पटेल (10 रन देकर दो विकेट) के साथ साझा करना चाहिए जिन्होंने मध्य के ओवरों में महत्वपूर्ण विकेट झटके।' पंत ने अपनी खराब बल्लेबाजी और खराब गेंदबाजी पर हार का ठीकरा फोड़ा। उन्होंने कहा, 'हमने न तो अच्छी गेंदबाजी की और न ही अच्छी बल्लेबाजी। हमें इस प्रदर्शन को भूलना होगा। हमने शुरू में काफी विकेट गंवा दिये लेकिन इसके बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहूंगा। 180 रन का स्कोर ठीक होता लेकिन हम वहां तक नहीं पहुंच सके।

आईपीएल अंकतालिका में छठे स्थान पर पहुंची दिल्ली कैपिटल्स

मुम्बई । दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल अंकतालिका में छठे स्थान पर पहुंच गयी है। दिल्ली ने बुधवार को पंजाब किंग्स की टीम पर नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की थी। इसी के साथ ही छह मैचों में तीन जीत के साथ ही दिल्ली की टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गयी है। इस जीत से दिल्ली कैपिटल्स का नेट रन रेट भी बेहतर हुआ है। वहीं नई टीम गुजरात टाइटंस अभी शीर्ष पर है। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 30 गेंदों में 60 रनों की पारी खेलने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। वार्नर ने अब तक 6 मैचों में 193 रन बनाये हैं। इसी के साथ ही इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी ने अर्धशतक लगाने के मामले में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना को पीछे छोड़ दिया है।

जूनियर स्पीड चैस 2022 - निहाल सरीन क्वाटर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली । हर वर्ष की तरह इस बार भी जूनियर स्पीड चैस शतरंज अब रोमांचक मोड पर पहुँचने लगी है । चेस डॉट कॉम पर ऑनलाइन खेले जाने वाली इस लीग में दुनिया के लगभग सभी बेहतरीन जूनियर खिलाड़ी भाग लेते है और पिछले बार के विजेता भारत के निहाल सरीन इस बार भी बेहतरीन खेल दिखाते हुए अंतिम 8 में जगह बनाने में कामयाब रहे है । उन्होने प्री क्वाटर फाइनल में हमवतन अरोण्यक घोष को पराजित 19.5-11.5 के स्कोर से पराजित किया । स्पीड चैस के नियमानुसार सबसे पहले दोनों के बीच पहले सेट मे 5 मिनट + 1 सेकंड के कुल 10 मुकाबले हुए जिसमें निहाल ने 6.5-3.5 से बढ़त बना ली तो इसके बाद हुए 3 मिनट + 1 सेकंड के 7 मुकाबलों में निहाल ने 5.5-1.5 से दूसरा सेट जीतकर कुल बढ़त को 12-5 कर लिया हालांकि इसके बाद तीसरे सेट में अरोण्यक ने 3 मिनट + 1 सेकंड के कुल 13 मुकाबलों में अच्छा खेल दिखाते हुए 6.5-6.5 से बराबरी हासिल की पर निहाल ओवर ऑल 19.5-11.5 से मुकाबला जीत चुके थे । अब निहाल क्वाटर फाइनल में चीन के क्रिस्टोफर यो से टकराएँगे जिन्होने इससे पहले भारत के आर प्रग्गानंधा को 16.5-13.5 से पराजित किया है ।

शारापोवा के घर आने वाला है नया मेहमान

नई दिल्ली । दिग्गज टेनिस स्टार मारिया शारापोवा ने अपने 35वें जन्मदिन पर सोशल मीडिया के जरिये अपने गर्भवती होने का खुलासा किया है। शारापोवा ने टेनिस को अलविदा कहने के बाद अलेक्जेंडर गिल्क्स से सगाई की थी। इस पूर्व चैम्पियन ने दो फ्रेंच ओपन, एक विंबलडन, एक ऑस्ट्रेलियन ओपन और एक अमेरिकी ओपन जीता है। शारापोवा साल 2005 में नंबर एक की रैंकिंग पर पहुंची थी। तब उनकी उम्र केवल 18 साल थी। इस खिलाड़ी ने साल 2004 में पहली बार विंबलडन ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। उसके बाद उन्होंने 2006 में अमेरिकी ओपन, 2008 में ऑस्ट्रेलियन ओपन, 2012 और 2014 में फ्रेंच ओपन का खिताब भी हासिल किया था। इसके अलावा शारापोवा ने साल 2004 में टूर फाइनल्स भी अपने नाम किया था।

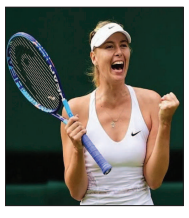

15 साल बाद आमने-सामने होंगे अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के तैराक

सिडनी । 15 साल के बाद एक बार फिर अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियाई तैराको के बीच मुकाबला होगा। यह मुकाबला 19 से 21 अगस्त तक सिडनी के ओलिंपिक एक्वाटिक सेंटर और बोंडी समुद्र तट होगा। 30 तैराक भाग लेंगे। इससे पहले दोनो ही देशों के तैराकों के बीच साल 2007 में मुकाबला हुआ था। इन दोनों देशों ने पिछले साल के टोक्यो ओलंपिक में तैराकी प्रतियोगिता में कुल मिलाकर 50 पदक जीते थे और वे इस खेल में दुनिया में शीर्ष पर कायम हैं। तैराकी में अपना दबदबा बनाने वाले इन दोनों देशों के बीच इस तरह का पहला मुकाबला पहली बार साल 2003 में आयोजित किया गया था।

पोलार्ड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

मुंबई (एजेंसी)।

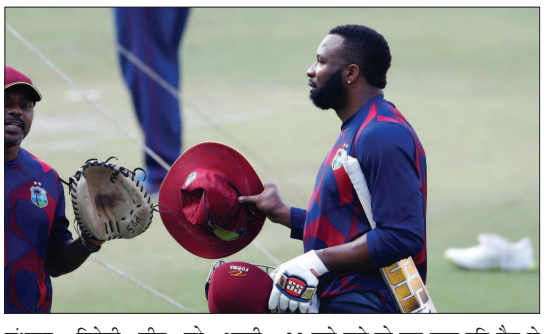

वेस्टइंडीज के सीमित ओवरों के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की लेकिन वह दुनिया भर में निजी टी20 और टी10 लीग में खेलते रहेंगे। वर्ष 2007 में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 34 साल के पोलार्ड ने अपनी आखिरी श्रृंखला भारत के खिलाफ खेली जो इंडियन प्रीमियर लीग में लंबे समय तक मुंबई इंडियन्स से जुड़े रहने के कारण उनके दूसरे घर की तरह है। पोलार्ड ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर घोषणा की, ''विस्तृत चर्चा के बाद मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। दस साल की उम्र से वेस्टइंडीज के लिए खेलना मेरा सपना था और मुझे गर्व है कि खेल के टी20 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में मैंने 15 साल से अधिक समय तक वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व किया।'' टी20 के सबसे सफल क्रिकेटरों में से एक पोलार्ड वेस्टइंडीज के लिए उतने सफल नहीं रहे। उन्होंने 123 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 26 से कुछ अधिक की औसत से 2706 रन बनाने के अलावा 55 विकेट चटकाए। उन्होंने 101 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 1569 रन बनाए और 44 विकेट हासिल किए। उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का आकर्षण टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में श्रीलंका के अकिला धनंजय के ओवर में छह छक्के रहे। वह हर्शल गिब्स और युवराज सिंह के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के जड़ने वाले तीसरे बल्लेबाज थे।वह 2012 में आईसीसी टी20 विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज की टीम का हिस्सा थे। उन्हें कभी टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिला। विश्व क्रिकेट में सबसे अधिक छक्के जड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल पोलार्ड जब अपने खेल के शीर्ष पर थे तो शायद ही कोई गेंदबाज होगा जो उन्हें फुल लेंथ गेंद फेंकने से नहीं डरा होगा। वह यॉर्कर पर भी छक्का मारने की क्षमता रखते हैं। पोलार्ड ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीन शतक जड़े लेकिन वह वेस्टइंडीज के लिए कभी वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए जैसा उन्होंने मुंबई इंडियन्स या दुनिया भर की अन्य फ्रेंचाइजी के लिए किया। वेस्टइंडीज के खस्ता वित्तीय हालत के कारण पोलार्ड ने संभवतः विदेशी लीग को अपनी प्राथमिकता बनाया और शायद यही कारण है कि वह राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए कभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए। इसका साक्ष्य यह भी है कि उन्होंने 101 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 99 छक्के जड़े जो एक छक्का प्रति मैच से भी कम है। उनकी गेंदबाजी क्षमता में भी लगातार गिरावट आई। पोलार्ड 35 बरस के होने वाले हैं और उन्हें पता है कि उन्हें दुनिया भर की लीग में खेलकर अपनी आय को अधिकतम करना होगा।

उद्योगपति गौतम अडाणी से ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन ने की भेंट

अहमदाबाद। देश के बड़े कारोबारियों में शुमार अडाणी समूह के प्रमुख गौतम अडाणी के साथ ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने गुरुवार को यहां भेंट की। जॉनसन दो दिन की यात्रा पर भारत आए हैं। यह बैठक अहमदाबाद शहर के बाहरी इलाके शांतिग्राम में अडाणी समूह के वैश्विक मुख्यालय में हुई। अडाणी ने बाद में ट्वीट किया, 'अडाणी मुख्यालय में गुजरात दौरे पर आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री जॉनसन की मेजबानी करने का सम्मान मिला। अक्षय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और नई ऊर्जा के साथ जलवायु और स्थिरता एजेंडा का समर्थन करने की प्रसन्नता है। रक्षा और एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियों में सह-निर्माण के लिए ब्रिटेन की कंपनियों के साथ भी काम करेंगे।'

सूत्रों ने कहा कि दोनों ने अन्य बातों के अलावा, ऊर्जा बदलाव, जलवायु कार्रवाई, एयरोस्पेस और रक्षा सहयोग जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अडाणी और जॉनसन ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग पर खासतौर से चर्चा की। भारत ने अपने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए 2030 तक 300 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बनाई है। अडाणी ने शेवनिंग स्कॉलरशिप के जरिये युवा भारतीयों के लिए एक अकादमिक सुविधा कार्यक्रम की भी घोषणा की, जो ब्रिटेन सरकार द्वारा दी जाने वाली सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्ति में से एक है। उन्होंने 28 जून को लंदन में होने वाले भारत-ब्रिटेन जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन में भी ब्रिटिश प्रधानमंत्री को आमंत्रित किया। अडाणी समूह के चेयरमैन ने पिछले साल अक्टूबर में लंदन में वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन में भी जॉनसन से मुलाकात की थी।

शताब्दी एक्सप्रेस में विस्टा डोम कोच को यात्रियों से मिला भरपूर प्रतिसाद

अहमदाबाद। अपने सम्माननीय यात्रियों को एक बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने की दृष्टि से पश्चिम रेलवे द्वारा 11 अप्रैल, 2022 से ट्रेन संख्या 12009/10 मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर केपिटल शताब्दी एक्सप्रेस में एक विस्टा डोम कोच जोड़ा गया है। इस कोच को यात्रियों से इस छोटी-सी अवधि में काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और लगभग सभी सीटें भरी हुई जा रही हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ट्रेन संख्या 12009/10 मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर केपिटल शताब्दी एक्सप्रेस में 11.04.2022 से 10.05.2022 तक एक महीने की अवधि के लिए अस्थायी आधार पर एक अतिरिक्त विस्टा डोम कोच की शुरुआत की गई है। विस्टा डोम कोच में 44 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। इस विस्टा डोम कोच में बड़ी कांच की खिड़कियां, कांच की छतें, घूमने वाली सीटें और एक ऑब्जर्वेशन लाउंज जैसी विशेषताएं हैं, जो यात्रियों के बीच काफी लोकप्रिय हो गई हैं और इस आनंददायक कोच से अधिक से अधिक यात्री सफ़र करना पसंद कर रहे हैं। इस कोच से यात्री यात्रा के दौरान बाहरी नज़ारों को देखने का आनंद ले सकते हैं। उल्लेखनीय है कि 11.04.2022 से 20.04.2022 की अवधि के दौरान कुल 908 यात्रियों ने इस कोच से दोनों दिशाओं में 115त्न की ऑक्यूपेंसी के साथ यात्रा की। ट्रेन संख्या 12009 मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर केपिटल शताब्दी एक्सप्रेस मुंबई सेंट्रल से 06.10 बजे प्रस्थान करती है और उसी दिन 13.40 बजे गांधीनगर केपिटल पहुंचती है। इसी प्रकार, वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 12010 गांधीनगर केपिटल-मुंबई सेंट्रल शताब्दी एक्सप्रेस गांधीनगर केपिटल से 14.20 बजे प्रस्थान करती है और उसी दिन 21.45 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचती है। यह ट्रेन रविवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलती है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, नडियाद और अहमदाबाद स्टेशनों पर रुकती है।

बोरिस जॉनसन दो दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे

अहमदाबाद। ब्रिट्रेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन अपनी दो दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंच चुके हैं। गुजरात में उनका स्वागत किया गया। यहां वह एक बुलडोजर बनाने वाली कंपनी का भी दौरा करेंगे। विपक्ष इसकी आलोचना कर रहा है। हालांकि, आलोचना को दरकिनार करते हुए अधिकारियों कहा कि उनका इरादा निवेश बढ़ाने का है। आपको बता दें कि किसी भी ब्रिटिश पीएम का यह पहला गुजरात दौरा है। बोरिस जॉनसन ने अहमदाबाद से अपनी यात्रा शुरू की है। यहां उनका प्रमुख व्यापारिक समूह के नेताओं के साथ मिलने का भी कार्यक्रम है। भारत के फलते-फूलते वाणिज्यिक, व्यापार और लोगों के संबंधों पर चर्चा करने का कार्यक्रम है। इसके बाद शुक्रवार की सुबह बोरिस जॉनसन राष्ट्रपति भवन में एक औपचारिक स्वागत समारोह में शामिल होंगे और बाद में महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। 22 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए नई दिल्ली की यात्रा करेंगे। यहां दोनों नेताओं के बीच यूके और भारत की रणनीतिक रक्षा, राजनयिक और आर्थिक साझेदारी पर गहन बातचीत करेंगे। इसका उद्देश्य इंडो-पैसिफिक में घनिष्ठ साझेदारी को बढ़ावा देना और सुरक्षा सहयोग को आगे बढ़ाना है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री विदेश मंत्री (ईएएम) एस जयशंकर के साथ भी बातचीत करेंगे। उसी दोपहर करीब एक बजे दोनों पक्ष हैदराबाद हाउस में प्रेस बयान जारी करेंगे। जॉनसन 21 अप्रैल को सीधे अहमदाबाद में निवेशकों के साथ बैठक करेंगे। दरअसल, ब्रिटेन में जितने भारतीय हैं, उनमें से लगभग आधे गुजरात के हैं। पहली बार ब्रिटेन के कोई प्रधानमंत्री गुजरात की यात्रा पर आ रहे हैं। यह पूछने पर कि क्या जॉनसन और मोदी की बातचीत के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध का समाधान निकालने पर कोई चर्चा हो सकती है, सूत्रों ने कहा कि दो प्रधानमंत्रियों के बीच चर्चा किस प्रकार होगी, यह पहले बता पाना संभव नहीं है। चर्चा के आयाम विविध हो सकते हैं। जॉनसन ने हाल में यूक्रेन का दौरान किया था। प्रधानमंत्री मोदी साफ कह चुके हैं कि रूस-यूक्रेन के बीच शांति स्थापना के लिए भारत कोइ भी भूमिका निभाने को तैयार है।

वे गांधी जी के विचारों से प्रभावित होकर गांधी आश्रम आई थीं। वे जिस कुटिया में रहती थीं, उसे 'मीरा कुटीर' नाम दिया गया है। गांधी आश्रम की आगंतुक पुस्तिका में अपने विचार व्यक्त करते हुए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने लिखा कि, "गांधी आश्रम की मेरी यात्रा अवर्णनीय है और गांधी आश्रम में आने का मेरा अनुभव भी बहुत अच्छा रहा। गांधी जी ने पूरी दुनिया के समक्ष यह उदाहरण प्रस्तुत किया कि किस तरह सत्य और अहिंसा के जरिए दुनिया को बदला जा सकता हैञ्ज इस अवसर पर गांधी आश्रम की ओर से जॉनसन को 'गाइड टू लंदन' और 'ऑटोबायोग्राफी ऑफ मीराबेन' नामक दो पुस्तकें भेंट की गई।

गुजरात के एमएलए जिग्नेश मेवानी को असम पुलिस ने पालनपुर से गिरफ्तार किया

अहमदाबाद। गुजरात के प्रमुख दलित नेता और विधायक जिग्नेश मेवानी को एक ट्वीट के मामले में असम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। देर रात राज्य के पालनपुर शहर से उन्हें गिरफ्तार किया गया है। आज उन्हें हवाई मार्ग से असम भी ले जाया गया। मेवानी के सहयोगी सुरेश जाट ने बताया कि मेवानी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा-153ए के तहत प्राथमिकी दर्ज होने के तुरंत बाद गिरफ्तार किया गया, जो समुदायों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने से संबंधित अपराधों से जुड़ी हुई है। यह प्राथमिकी असम के कोकराझार थाने में दर्ज कराई गई थी।

जिग्नेश मेवानी की गिरफ्तारी पर स्वरा भास्कर ने कहा है कि जिग्नेश को अभी असम पुलिस ने पालमपुर सर्किट हाउस से गिरफ्तार किया है। उनके फोन रोक दिए गए हैं। एफआईआर कॉपी किसी के पास नहीं है..क्या चल रहा है? जिग्नेश मेवाणी को क्यों गिरफ्तार किया गया है? असम पुलिस के अधिकारियों द्वारा साझा किए गए एक दस्तावेज के अनुसार, मेवानी के कुछ दिन पुराने एक ट्वीट के आधार पर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। हालांकि, इस ट्वीट को ट्विटर ने हटा दिया है। उन्होंने बताया कि यह ट्वीट नाथूराम गोडसे के बारे में था।

जाट के मुताबिक, मेवानी को पहले सड़क मार्ग से पालनपुर से अहमदाबाद लाया गया और फिर गुरुवार सुबह हवाई मार्ग से असम ले जाया गया। मेवानी बनासकांठा की वडगाम सीट से निर्दलीय विधायक चुने गए थे। वह हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए हैं। मेवानी के कार्यालय ने एक बयान जारी कर बताया कि असम पुलिस ने उन्हें पालनपुर सर्किट हाउस से बुधवार रात साढ़े 11 बजे गिरफ्तार किया। गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष जगदीश ठाकोर और अन्य कांग्रेसी नेता उनकी गिरफ्तारी की खबर मिलने के बाद अहमदाबाद हवाई अड्डे पहुंचे और भारतीय जनता पार्टी की सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म की नायिका देवी: धवरियार क्विन का ट्रेलर दर्शकों के लिए रिलीज कर दिया गया

"नायिका देवी!" भारतीय इतिहास का एक ऐसा अध्याय जिसे लाखों अन्य ऐतिहासिक घटनाओं और सम्राट के गरजते तटों के बीच अनदेखा किया गया है। लेकिन अब आने वाली फिल्म देवी देवी- धवोरियार क्विंठी में उनका साहसिक सफर देखने को मिलेगा.

लंबे इंतजार के बाद, एंटरटेनमेंट एंटरटेनमेंट ने नायिका के लिए एक ट्रेलर लॉन्च किया- धवोरियार क्वीन और इंटरनेट पर धूम मची हुई है। गुजराती दौर की सबसे चर्चित फिल्म के 12 एपिसोड हैं। जिसमें खुशी शाह एक निडर हीरोइन के रूप में और चंकी पांडे एक शैतानी मुहम्मद गोरी के रूप में नजर आएंगी। फिल्म के ट्रेलर में रानी के जीवन के हर पहलू का खुलासा किया गया है।

पूरे ट्रेलर में, खुशी शाह हमें नायिका के रूप में आकर्षित कर रही है। फिल्म का हर सीन और हर डायलॉग आपको तब आकर्षित करेगा जब दोनों कलाकार अपने-अपने किरदारों में पूरी तरह डूबे नजर आएंगे। पूरे ट्रेलर में क्रूर युद्ध के दृश्य हावी हैं। रोंगटे! एक ऐसा शब्द है जो पूरे ट्रेलर का सबसे अच्छा वर्णन करता है। ट्रेलर रिलीज के साथ निर्माता उमेश शर्मा ने कहा, "अब समय आ गया है कि 12 महीने की रानी, मां, विधवा और भारत की पहली महिला को प्रख्यात नायिका देवी की गौरवशाली कहानी पेश की जाए। हम भाग्यशाली हैं। निर्देशक नितिन कहते हैं, "यह सिर्फ एक फिल्म है। अनिका देवी की निडरता की कहानी और हर कलाकार ने इतिहास को फिर से जीवंत करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है।

उन्होंने कहा, "फिल्म मेरे लिए है। मैंने न सिर्फ ड्रेस अप किया, बल्कि नायिका को पूरा न्याय देने के लिए मेरा दिल दुखा। आइए हम अरानी की यात्रा को अपनाएं जो गुजरात का गौरव है। अभिनेत्री खुशी शाह ने कहा। हीरोइन देवी: धवोरियारक्विन उमेश शर्मा द्वारा निर्मित और नितिनजीद द्वारा निर्देशित। फिल्म में त्रिखुशी शाह, बॉलीवुड स्टार चंकी पांडे और अन्य महान कलाकार हैं। संगीत पार्थक ने लिखा है और गीत चिरागात्री ने लिखे हैं। नायिका 6, 2022 को नरोज अत्री एंटरटेनमेंट के लेबल के तहत सिनेमाघरों में उतरेगी।

अत्री एंटरटेनमेंट क्याउखद्लोग ?, जोराडिजगदंबा, अविंवरात्रि, 100 प्रतिशत सेल (गुजराती), वात्ताकिबातेन (हिंदी), ओय्यर (हिंदी) और हराना (प्रतीकगंधी और वृंदात्रिवेदी एक गुजराती फिल्म अभिनीत)। हम उम्मीद कर रहे हैं कि नायिका देवी: धवोरियारक्विन की बहादुरी देश के कोने-कोने तक पहुंचे। हाल के एपिसोड्स में फिल्म थोड़ी अनफोकस्ड नजर आई है।

प्रभु महावीर के जन्मदिन के अवसर पर सूरत शहर में गरीब परिवारों के लिए पहले बरसात में छाता साथ ही ठंड में छत और गर्मी में टोपी का वितरण

सूरत भूमि,सूरत। सूरत शहर में कोई भी नागरिक पशु या पक्षी भूखे ना रहे ऐसे संकल्प के साथ चलती संस्था युग प्रधान आचार्य सम परम पूज्य सन्यास प्रवर श्री चंद्र शेखर विजय जी म.सा. प्रेरित श्री सहस्त्रफ्ला पार्श्वनाथ पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट श्री महावीर अन्य क्षेत्र द्वारा पिछले 25 वर्षों से 2,000 से अधिक व्यक्तियों को संस्था द्वारा एक टाइम का भोजन दिया जाता है और उसके साथ मौसम के हिसाब से उनकी सुविधा और ठंड में छत और बारिश में छाता वितरण किया।

हाल में प्रभु श्री महावीर स्वामी के जन्म कल्याण दिवस मनाने के उपलक्ष में भोजन के साथ लड्डू गठिया साथ ही गर्मियों में बचने के लिए 5000 से अधिक व्यक्तियों को टोपी का वितरण किया गया।

हेल्थ टेक स्टार्ट-अप आधुनिक हेल्थकेर सिस्टम के चैंपियन के रूप में उभर रहे हैं।

क्या स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी के बिना स्वास्थ्य देखभाल की कल्पना करना संभव है? वर्तमान स्थिति में, उत्तर एक निश्चित च्च्नहींज्ज है। साधारण थर्मामीटर से लेकर उन्नत वेंटिलेटर तक, तकनीक हमेशा से स्वास्थ्य सेवा का एक अभिन्न अंग रही है। हाल के दिनों में, स्वास्थ्य तकनीक स्टार्ट-अप आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल के चैंपियन के रूप में उभरे हैं। हाल की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 133 से अधिक वित्त पोषित टेलीहेल्थ स्टार्ट-अप और 5,295 स्वास्थ्य तकनीक स्टार्ट-अप हैं। टेलीमेडिसिन / ऑनलाइन परामर्श, ई-फार्मेसी, फिटनेस और वेलनेस, हेल्थकेयर आईटी और एनालिटिक्स, ऑनलाइन या होम डायग्नोसिस, होम हेल्थकेयर, हेल्थ ऐप में स्टार्ट-अप भारत की तनावपूर्ण स्वास्थ्य स्थिति में बहुत मददगार रहे हैं।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने शुरू किया 'हम है हाइब्रिड' अभियान

बंगलुरू। टोयोटा कंपनी 2050 साल तक 'कार्बन तटस्थता' को साकार करने के लिए दृढतापूर्वक प्रतिबद्ध है, हमारे देश के, कार्बन उत्सर्जन में कमी और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करना इन प्रमुख राष्ट्रीय लक्ष्यों के समर्थन में उतरता है। हमने 2015 की शुरूआत में हस्तक्षेप करना शुरू किया था, जहां वैश्विक स्तर पर टोयोटा ने छह विषयों गठन कर एक पर्यावरणीय चुनौती ली थी जिनमें से तीन वाहनों से केवल शुन्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा की ओर हैं। विद्युतीकृत वाहनों को तेजी से अपनाने की दिशा में टोयोटो किर्लोस्कर मोटर्स ने आज 'हम है हायब्रिड' नाम के मुहिम की शुरूआत विशेष रूपसे तैयार किए गए वेब वीडियो श्रृखंला के माध्यमसे करने की घोषणा की है। यह पहल, सेल्फ चार्जिंग हाइब्रिड इलेक्ट्रीक वाहन (SHEV) के कुल फायदे और राष्ट्रीय लक्ष्य में इसके संभवित योगदान के बारे में उपभोक्ताओं के बीच और बडे पैमानेपर समाज में जागरुकता पैदा करने के लिए की गई हैं।

ग्रीन मोबिलिटी - सेल्फ चार्जिंग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन, के बारे में चल रहे इस डिजीटल मुहिम के साथ- देश भर में मास इलेक्ट्रिफिकेशन की दिशा में तेजी से बदलाव को बढावा देना यह टीकेएम (टोयोटा किर्लोस्कर मोटर) का प्रयास हैं।

टोयोटा के डिजिटल प्रचार दृष्टिकोण के अंश के रूप में आरेखित और विकसित किया गया 'हम है हायब्रिड' मुहिम नीचे दिए गये मुद्दों पर स॥श्वङ्क के बारे में जागरकता और मजबूत करने के लिए अनुरूप सामग्री का इस्तेमाल करता हैं।

पॉवरफुर परफॉर्मन्स- SHEV जब शुरू होती है, तब आपका पैर पेडल पर रखते ही इलेक्ट्रीक पॉवरट्रेन टॉर्क देता है। जब आपको अधिक शक्ति की जरूरत होती है तब इलेक्ट्रीक मोटर और इंजिन कार के क्षमता का आउटपुट बढाने के लिए मिलकर काम करते हैं। उच्च ईंधन क्षमता- 60% शुद्ध इलेक्ट्रिक मोड पर SHEV की सवारी की जा सकती हैं, परिणामस्वरूप 40%-80% तक इंधन क्षमता में सुधार होता है।(स्रोत: परीक्षण एजन्सी के अनुसा, आयकॅट अध्ययन (आईआरडीई चक्र))

सीमा की चिंता नहीं- स॥श्वङ्क में दोहरे उर्जा स्त्रोत का इस्तेमाल किया गया हैं। पेट्रोल इंजन के साथ साथ विद्युत मोटर भी हैं। इसलिए सीमा की चिंता के मामले में मन:शांति मिलती हैं। सेल्फ चार्जिंग हाइब्रिड इलेक्ट्रीक वाहन को प्लग इन करके रिचार्ज करने की आवश्यकत नहीं होती हैं, क्योंकी बैटरी आंतरिक कम्बस्चन यानि की दहन इंजन और रिजनरेटीव्ह ब्रेकिंग चलाते हुए बैटरी को रिचार्ज कर लेता हैं। रखरखाव की कम लागत -SHEV 60 % तक इलेक्ट्रीक मोड पर चला हैं। नतीजा यह की इसमें ज्यादा नुकसान होने की संभावना कम होती हैं। SHEV में इलेक्ट्रीक मोटर और बैटरी के भागों के रखरखाव की जरूरत नही होती हैं, इसलिए, आने वाले समय में अप्रत्याशित लागत के जोखिम को और कम आका जा सकता हैं।

1.5 मिलियन भारतीयों को समावेशी और सस्टेनेबल सामुदायिक विकास देने के लिए सैप इंडिया और अमूल साथ आये

अहमदाबाद। सैप और अमूल ने आज एक संयुक्त सामुदायिक आउटरीच की घोषणा की, जिसका उद्देश्य ज्ञान हस्तांतरण और प्रौद्योगिकी क्षमता को बढाकर बच्चों, किशोरों, युवाओं, महिलाओं और किसानों सहित 1.5 मिलियन भारतीयों के जीवन को बदलना है। इस पहल को सामाजिक उद्यमिता, कुशल कार्यबल को सक्षम बनाने, डिजिटल समावेशन और लैंगिक समानता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

आरएस सोढी, मैनेजिंग डायरेक्टर, गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (अमूल) ने इस सहयोग के बारे में बतया, "भारत की 66 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। भारत के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले अधिकांश लोग आजीविका के लिए कृषि, पशुपालन और डेयरी पर निर्भर हैं। पिछले सालों में हमने देखा है कि विभिन्न सरकारों ने उन्हें शिक्षा, परिवहन, वित्तीय सेवाओं और इंटरनेट कनेक्टिविटी की बेहतर उपलब्धता प्रदान करने के लिए अथक प्रयास किए हैं। समावेशी और सतत सामुदायिक विकास के उद्देश्य से अमूल और सैप इस प्रोजेक्ट में शामिल हुए हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत स्कूल जाने वाले बच्चों और टीचर्स को गुणवत्तायुक्त डिजिटल साक्षरता और स्किल इंटरवेंशन ट्रेनिंग प्रदान की गई।

कुलमीत बावा, प्रेजिडेंट एंड मैनेजिंग डायरेक्टर, सैप, इंडियन सब-कांटिनेंट ने कहा, "प्रौद्योगिकी एक समावेशी और सस्टेनेबल अर्थव्यवस्था के लिए भारत की यात्रा को आकार देने में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर सकती है। स्मार्ट सिटी और भविष्य के मोबिलिटी जैसी शहरी विकास परियोजनाएं इस क्षमता को प्रतिबिंबित करती हैं, भारत की सच्ची प्रगति उसके गांवों के विकास में निहित है। अमूल के साथ हमारा काम इस विजन का विस्तार है और यह नागरिकों को वह जानकारी और उपकरण प्रदान करेगा जिसकी उन्हें सफल होने के लिए आवश्यकता है। इस समय भारत लगातार सस्टेनेबिलिटी हासिल करने के लिए पूरे विश्व का नेतृत्व कर रहा है, हमारे जैसा सहयोग भी एक समावेशी और लचीले भविष्य के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेगा जिसमें कोई भी पीछे नहीं रहेगा।"

सोढी ने आगे कहा, "सैप के साथ हमारा सहयोग इन ग्रामीण समुदायों को आवश्यक भविष्य के कौशल को सुधारने और उनके सपनों को हकीकत में बदलने के लिए सशक्त बनाकर मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक कदम आगे है। हमारी आशा है कि यह राष्ट्र निर्माण और एक आत्मनिर्भर भारत बनाने की ओर एक लंबा सफर तय करेगा।"

पिछले दो दशकों में, दोनों कंपनियों ने सैप के डिजिटल कोर ईआरपी और आपूर्ति श्रृंखला सलूशन का उपयोग करके व्यावसायिक प्रक्रियाओं को अनुकूलित करने और अमूल के लिए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को आगे बढ़ने के लिए मिलकर काम किया है। इसलिए, सामुदायिक आउटरीच, कंपनियों की दीर्घकालिक साझेदारी को दर्शाता है जोकि इनोवेशन, स्केलेबल और एक सुंदर दुनिया के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता का एक स्वाभाविक विस्तार है।

जमीनी स्तर पर साक्षरता और समावेशन को बढ़ावा देने के लिए, सैप और अमूल ने सहयोगात्मक रूप से एक डिजिटल समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है जो कोडिंग, अंग्रेजी कौशल और सामाजिक-आर्थिक अवसरों के क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा और प्रोफेशनल सहायता प्रदान करेगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)